an>

Title: Further discussion on the motion of Thanks on the President's Address, moved by Smt. Meenakshi Lekhi and seconded by Smt. Harsimrat Kaur Badal.

HON. DEPUTY SPEAKER: Motion moved:

"That an Address be presented to the President in the following terms:-

> 'That the Members of the Lok Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on February 23, 2016'."

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Sir, I think on behalf of the Prime Minister, at least, somebody should be present here. Neither Venkaiahji nor the Deputy of the Prime Minister is present here.

15.34 hours (Shri Konakalla Narayana Rao *in the Chair*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अगर ऐसा ही है, अगर यही ठीक है तो मैं बात करता हूं, उसमें मुझे कोई एतराज नहीं, लेकिन कम से कम आप बड़ी कल्चर की बात करते हैं और कल्चर्ड पीपुल समझे जाते हैं, अगर आपका बिहेवियर ऐसा रहा तो क्या कहना चाहिए, यह मैं आप पर छोड़ देता हूं।...(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : वे आ जाएंगे। आप सीनियर हैं, आपको सुनने जरूर आएंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मुझे सुनने के लिए आना जरूरी नहीं है, लेकिन इस हाउस की गरिमा रखने के लिए आना चाहिए। इस सदन की गरिमा रखने के लिए आना चाहिए,...(व्यवधान) आप सुनिये अगर आप क्वश्चन पूछने वाले हैं और अगर कोई मिनिस्टर एबसेंट रहता है तो आप चुप बैठते हैं? आप क्यों बात करते हैं, छोड़िये। ऐसा है कि अगर हम कुछ बोलें तो आप बहुत बुरा समझते हैं। यह सभी कुछ चलता है, पी.एम.ओ. हाउस से कि किसे बैठना है, किसे उठना है।

सभापति महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया। यह भाषण तो पिछले साल भी ऐसा ही था। उसके चन्द प्रोग्राम्स नए-नए नाम से फिर आए हैं और उसके शब्दों को भी बदलकर सदन के सामने और जनता के सामने दिखाया गया है। पहले पेज के पैरा-2 में आपने यह बताया कि 'सबका साथ, सबका विकास।' इससे यह मालूम होता है कि आपको सबका साथ नहीं है और देश का विकास भी नहीं है।

दूसरी चीज़, जो आज मैंने देखा कि रेल बजट, जो सबसे महत्वपूर्ण बजट होता है, जब प्रभु जी रेल बजट पेश कर रहे थे और प्रभु जी जब अपने अन्दाज से अटल बिहारी वाजपेयी की कविता और फिर बच्चन साहब, जो अमिताभ बच्चन के पिता जी हैं, उनकी कविता कही और उसके बाद हमारे प्रधान मंत्री जी का जो संदेश था, आदेश था, उसका भी उन्होंने पालन करके बहुत बताया। जो-जो प्रोग्राम वे बताते थे, उसमें तालियां कम बजती थीं, प्राइम मिनिस्टर अकेले बेचारे इस तरह तीन-चार बार मेज थपथपाते थे। उसे देखकर कम से कम उनके पीछे के लोग भी ऐसा करेंगे, पर वह भी नहीं हुआ।...(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : क्या मौनी बाबा यही करते थे?...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अपनी ज़गह पर जाओ। ...(व्यवधान) जिसे मौनी बाबा कहते हो, वह तुम्हारे बाप हैं।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप लोग बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति : रमेश जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति : खड़गे जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदय, जब सरकार यह कहती है कि उनका मौलिक सिद्धांत 'सबका साथ, सबका विकास' है, तब इस पर मुझे बहुत शक़ हो रहा है, क्योंकि कभी-कभी मुझे ऐसा महसूस होता है कि जो वे कहते हैं, उसके तहत वे चल नहीं रहे हैं। खासकर, मैं चंद आंकड़े आपके सामने भी रखूंगा और इस एक साल नौ महीने के अन्दर उन्होंने क्या किया और उससे कितना फायदा हुआ है, यह भी मैं बताने की कोशिश करूंगा, क्योंकि अभी तक जो हुकूमत और विकास का मॉडल रहा है, इसमें किसानों का, महिलाओं का, गरीबों का, मज़दूरों का, दलितों का, कमज़ोर वर्गों का, आदिवासियों का और अल्पसंख्यकों का या विद्यार्थियों का कोई समावेश इस प्रेसिडेंट स्पीच में दिखाई नहीं देता। क्यों? मैं एक-एक करके बोलूंगा। आप मुझसे सहमत हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते हैं। आपने अपनी बात तो रखी है। ...(व्यवधान) प्रधानमंत्री जी तो नेचुरली इस सदन के नेता हैं, उनका आना जरूरी है। यह कोई मेरे ऊपर मेहरबानी नहीं है। उनको इस सदन में आना ही है और वे इस सदन के नेता हैं और उनको जरूर रहना चाहिए। ...(व्यवधान) जो भारत को मजबूत और दूरदर्शी बनाना चाहते हैं, उसके लिए आपको अपनी सोच को थोड़ा और बदलना होगा।

एक इंडो-अफ्रीकन कार्फ्रेंस हुई थी। उस वक्त पत्रिका में एक कोटेशन प्रिंट हुआ था। एक साउथ अफ्रीका समिट हुई थी। उसमें उस वक्त एक बात लिखी गई थी कि अगर आप तेज जाना चाहते हैं तो आप अकेले चलिए, लेकिन अगर आप लंबा चलना चाहते हैं तो सबको साथ लेकर चलिए। इसीलिए भागमभागी में, दौड़मदौड़ी में बहुत सी चीजें और समस्यायें इस देश में पैदा हो रही हैं। मैं उनसे विनती करता हूं कि कई चीजें गड़बड़ी से नहीं होती हैं। उसके समाधान के लिए विचार करना चाहिए और समाधान के लिए एक्शन लेना चाहिए।

आप कहते हैं कि सरकार गरीबों की उन्नति के लिए काम कर रही है, क्योंकि तीन शब्द हमारे प्रेजीडेंट स्पीच में दिखाए गए हैं, उसमें गरीबों की उन्नति, किसानों की उन्नति, युवकों की उन्नति, ये तीन बातें उसमें बताई गई हैं। जिस उन्नति की बात आज हम कर रहे हैं, इसी के लिए जब इंदिरा गांधी जी गरीबी हटाओ की बात कर रही थीं, तो उस वक्त इस पर बहुत हंगामा हुआ। क्या हुआ, क्या गरीबी हट गई? गरीबी को हटाया लेकिन वह चली गई। उसके ऊपर बहुत बहस होती रही। आज मैं यह कहना चाहता हूं कि हर भारतीय यह सोचता है कि गरीबों को किस ढंग से स्वावलंबी बनाना, अपने पैर पर उसको खड़ा करना और एक स्वाभिमान का जीवन जीने के लिए उसकी क्या-क्या मदद करना, ये सभी कोशिश कर रहे हैं, तो उस वक्त इसका मजाक उड़ाया गया। अभी हाल ही में जब यूपीए चेयरपर्सन और डॉ. मनमोहन सिंह जी ने जो कोशिश की, चाहे वह मनरेगा स्कीम हो, फूड सिक्योरिटी एक्ट हो, मिड-डे-मील का कार्यक्रम हो, दूसरे एक्सिलरेटेड इरीगेशन प्रोग्राम्स हों और

शेडयूल्ड कास्ट, शेडयूल्ड ट्राइब्स सबप्लान में बढ़ोत्तरी देकर उनकी उन्नति के लिए जो काम किया गया, उसको भी किसी अलग ढंग से कंडेम किया गया और बहुत कुछ कहा गया। लेकिन वही बात आज फिर आ रही है। आप यह कह रहे हैं कि पहले कुछ नहीं हुआ।

मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आपके चीफ इकॉनामिक एडवाइजर का ही कहना है कि यूपीए के समय में वर्ष 2005 और 2012 के बीच गरीबी कम होने की गति भारत के इतिहास में सबसे तेज रही है। यह पिछले दशक से दो गुना तेज थी। 15 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को गरीबी से इन 8 सालों में हटाया गया। यह एडवाइजर ने कहा है। यह पेपर में आया, इसलिए मैं इसे कह रहा हूं। आप इसे वैरिफाई कर सकते हैं। यह बात आपके चीफ इकॉनामिक एडवाइजर के मुंह से निकलती है और आप कह रहे हैं उससे कोई फायदा नहीं हुआ। यूपीए सरकार ने कुछ नही किया। गरीबों के बारे में कुछ नहीं सोचा। उसके ऊपर बहुत टीका और टिप्पणियां करते गये। यह हकीकत है और हकीकत आपके मूंह से निकल रही है और दुनिया को पता चलना चाहिए, देश के लोगों को पता चलना चाहिए, हम सब को भी यह मालूम होना चाहिए कि जब इकोनॉमिक एडवाइजर्स यह बात कहते हैं और डॉक्टर मनमोहन सिंह जैसे नेता, जो इकोनॉमिक एक्सपर्ट हैं, वह कभी पॉलिटिक्स नहीं करते थे और पॉलिटिक्स की बात नहीं करते थे, वह सिर्फ अपने काम और काम के अनुसार ही अपने कदम रखते थे, लेकिन आज ऐसा नहीं हो रहा है।

दूसरी बात फूड सिक्योरिटी के बारे में कहना चाहता हूं। फूड सिक्योरिटी एक्ट वर्ष 2013 में आया और सारे देश में इसको लागू किया गया क्योंकि लोग भूखे न रहें। उनको कम से कम दो वक्त का खाना मिले। वे पेट भर खाना खायें, इसलिए फूड सिक्योरिटी एक्ट इस देश में लागू किया गया। मैं पूछना चाहता हूं कि इस देश के प्रधान मंत्री जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो इस एक्ट को लागू क्यों नहीं किया गया और आज भी यह क्यों नहीं लागू है? सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा, मैं नहीं कह रहा हूं। इस महीने की पहली तारीख तक देश के सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात सरकार को डांटते हुये कहा कि do you want to break away from the Union of India? यह मेरे शब्द नहीं हैं।...(व्यवधान) Can a State say it cannot implement a law passed by Parliament? Are you saying you are not a part of India? What is the Government of India doing about this?

सर, अगर आपके राज्य में यह इंप्लिमेंट नहीं होता है, आप ही इसे इंप्लिमेंट नहीं करते हैं, आपके चीफ मिनिस्टर इसे इंप्लिमेंट नहीं करते हैं, तो गरीबों के बारे में आपने क्या सोचा और क्या ऐक्शन लिया है, यह मैं पूछना चाहता हूं।...(व्यवधान) गरीबी कम है? ...(व्यवधान) आपने फिर बोला, अगर मैं बोलूंगा तो आप गुस्से में आ जायेंगे।...(व्यवधान) प्रधानमंत्री जी ने खुद बोला है कि वहां की महिलायें दूध इसलिए नहीं पीती हैं कि वे अपने-आप को मोटा न दिखें, वे पतला दिखने के लिए दूध भी नहीं पीते हैं, वह खुद ही बोले थे। ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान) वह किसी वक्त बोलें होंगे, बात और है।...(व्यवधान) लेकिन वह बोले हैं।...(व्यवधान) यह ठीक भी है।

अगर आपके राज्य में यह इंप्लिमेंट नहीं हुआ तो दूसरे चीफ मिनिस्टर इसे कैसे इंप्लिमेंट करेंगे, दूसरे स्टेट्स इसको कैसे इंप्लिमेंट करेंगे? इसलिए मैं यह जानना चाहूंगा कि क्यों ऐसा हुआ? क्या वहां पर गरीबी नहीं है? गरीबी के रेखा के ऊपर बहुत लोग हैं। तब क्या गरीबी रेखा के नीचे का कोई प्रोग्राम वहां पर इंप्लिमेंट नहीं होना चाहिए? जब वहां के लोग इतने अमीर हैं तो कोई भी प्रोग्राम वहां पर नहीं होना चाहिए, फूड सिक्योरिटी नको, मीड-डे मील नको, सर्व शिक्षा अभियान नको, कंपलसरी एजुकेशन नको, कुछ भी नको। वह इतने सशक्त हैं कि अपने-आप कर लेंगे।

जन-धन एकाउंट्स की भी बात बहुत चली। मैं इसके संबंध में आंकड़े देता हूं। यह मुझे मालूम है कि आप अपने भाषण में इसके बारे में खूब बोलेंगे और फिर उसका समर्थन भी कर लेंगे, लेकिन मैं आपके सामने यह आंकड़े रखता हूं। 21 करोड़ बैंक एकाउंट्स खुले हैं जिनमें 32 हजार करोड़ रुपये जमा हुए हैं। शायद आप भूल गये कि यह धन सरकार का नहीं जनता का है। वर्ष 2005 में आरबीआई ने बैंको को नो-फ्रिल एकाउंट्स खोलने की शुरुआत करने का आदेश दिया था और वर्ष 2010 से फाइनैंशियल इंक्लूजन प्लान अमल में था, जिससे वर्ष 2013 से वर्ष 2016 तक एक्सटेंड किया गया और मार्च, 2014 तक 24 करोड़ 03 लाख नो-फ्रिल एकाउंट्स खुले थे। इस खाते का सरकारी नाम बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉज़िट एकाउंट था। इस बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉज़िट एकाउंट में 24 करोड़ रुपये ऑलरेडी थे। इसमें अब डुप्लीकेशन भी हो गया होगा, बाद में आप ऐसे कह सकते हैं।...(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे : 24 करोड़ के एकाउंट में कितना पैसा था, यह बता दीजिए।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आपका पैसा नहीं है, वह 32 हजार भी आपका नहीं है, यह 32 हजार भी आपका नहीं है।...(व्यवधान) बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉज़िट एकाउंट और यूपीए सरकार की डायरैक्ट कैश ट्रांसफर ऑफ सब्सिडी के तहत 18 करोड़ खाते खुले थे। इसके पहले बैनिफिशियरीज़ महिलाओं के सैल्फ हैल्प ग्रुप्स थे जिन्हें अब उधार लेने और ट्रांजैक्शन करने में आसानी हुई है। ऐसे कह रहे हैं जैसे पहले कुछ नहीं हुआ, सब कुछ एक साल नौ महीने में हो रहा है। अगर आप दुनिया को ऐसे गुमराह करते रहे, तो यह ज्यादा दिन तक चलने वाला नहीं और इससे कोई फायदा भी नहीं होने वाला है। 24 करोड़ 3 लाख एकाउंट्स के कंधों पर जन-धन के 21 करोड़ एकाउंट्स खोले गए। अब इन दोनों एकाउंट्स के बीच कितना डुप्लीकेशन है, उसके बारे में जानकारी होनी चाहिए। वह शायद राष्ट्रपति जी के धन्यवाद प्रस्ताव के रिप्लाई में आ जाए। 21 करोड़ एकाउंट्स में सिर्फ 53 लाख लोगों को फैसिलिटी का लाभ मिला है जिसमें सिर्फ 27 लाख का सैंक्शन हुआ था। उसमें सिर्फ 12 लाख लोग ही इस फैसिलिटी को इस्तेमाल कर पाए। कहां 21 करोड़ और लाभ 22 लाख। मैं बताना चाहता हूं कि अगर आप किसी प्रोग्राम को बहुत हाई-फाई कर देंगे और बाद में फंस जाएंगे तो उससे सरकार पर भरोसा और आप जो कहते हैं, उस पर जनता का भरोसा उठ जाता है। इसलिए इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। इससे मालूम होता है कि जो पहले किया है, वह करते आए हैं और वही आज करने की कोशिश कर रहे हैं।

अटल पैंशन योजना भी कोई नई चीज नहीं है। आप पेज 2, पैरा 6 देखिए --

Atal Pension Yojana supposedly aimed at ensuring pension for those with no employment security or retirement facilities seems to have run out of steam right from the start, flagged off with much publicity in June, 2015. 2 करोड़ लोगों को कवर करने का था। But it has been able to bring only about 8 per cent of the target to two crore under its ambit as of the month of January, 2016. Then, Atal Pension Yojana provisions are the exact copy of those existing in the Swavalamban Pension Scheme started by UPA in 2010 which aimed to encourage workers in the urorganised sector to save for the future.

यह स्कीम तो थी लेकिन उसे आपने बढ़ा-चढ़ाकर बोला। 2 करोड़ में से आज हार्डली 16 लाख लोगों को लाभ हुआ है। आप इसको रिअलिटी में देखिए, जमीन से देखिए, सिर्फ कहने के लिए प्रोग्राम या स्लोगन के लिए स्लोगन नहीं होना चाहिए। सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना में भी वही है। The schemes introduced by Modi Government, Modi *ji*, are actually the previous UPA Government's flagship social security programmes repackaged and re-launched to gain media attention. Aam Aadmi Beema Yojana, Rajiv Gandhi Shilpi Swasthya Beema Yojana and the Rashtriya Swasthya Beema Yojana जब मैं लेबर मिनिस्टर था तब राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए मैंने बहुत कोशिश की, सिर्फ 30 हजार रुपये में दो कार्ड मिलते थे, अगर आप इसे लेते तो सलाना किसी फैमिली में कोई भी मान्यता प्राप्त हॉस्पीटल में जाता है तो उसको फ्री में ट्रीटमेंट मिलता था, बीपीएल के लिए भी है, अन-अर्गेनाइज्ड वर्कर के लिए भी है, सफाई कर्मचारी के लिए भी था। आप जो बोलते हैं वह मैं यहां नहीं बोलूंगा, जैसा आपकी एचआरडी मिनिस्टर बोलीं, वैसा हम नहीं चाहते हैं। इन कामों को निकाल कर आपने एक किया। Ever since their launch in 2007 and 2008, the schemes benefited about five crore and forty-two lakh people under Rajiv Gandhi Shilpi Swasthya Beema Yojana.

15.57 hours (Hon. Speaker *in the Chair*)

उसके बाद 2155 करोड़ रुपये, फिर 327 करोड़ रुपये और तीसरी योजना में 4300 करोड़ रुपये डिसब्रूस्ड किये गये, इतना पैसा दिया है। इतने पैसे देने के बावजूद कोई भी स्कीम नहीं है। इस स्कीम को इकट्ठा करके अटल बिहारी वाजपेयी पेंशन स्कीम, सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना को हाईलाइट करके और नया स्लोगन देकर लाया गया है। ऐसा नहीं होता है। कोयले को साबुन से धोने पर उसका कालापन नहीं जाता, कोयले को अगर आप जलाएंगे तभी सफेद होता है। ...(व्यवधान) केवल नाम देने से और नामांतर से किसी का उद्धार नहीं होने वाला है बल्कि काम होना चाहिए और आज काम करने की आवश्यकता है। मैं काम करने के लिए बोल रहा हूं।

पैरा 7 के पेज सं. 2 में प्रधानमंत्री आवास योजना का वर्णन है। इसका नाम राजीव गांधी आवास योजना, राजीव गांधी ऋण योजना के नामों को बदल कर नया नाम रखा गया। उन स्कीमों को निकालना और नया नाम देना, मैंने स्कीमों का आंकड़ा दिया, कितना खर्च हुआ, कोई कम खर्च किया होगा, कोई नहीं किया होगा लेकिन आपने तो कुछ भी खर्च नहीं किया। यह पूरे देश में लागू नहीं हुआ सिर्फ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और वेस्ट बंगाल को थोड़ा दिया, पांच लाख घर बनाने की स्कीम थी उसमें तीन स्टेटों में थोड़ा बहुत क्रियान्वयन हुआ, 60औ इम्पलिमेंट हुआ है और 40औ बाकी है यानि इम्पलिमेंट नहीं हुआ। मैं वाद-विवाद में नहीं जाना चाहता हूं। बाबा साहब अम्बेडकर का नाम बहुत लिया जाता है, लेना भी चाहिए लेकिन जो उनकी आइडिआलोजी थी, उसको अनुष्ठान में

लाने के लिए आपने क्या योजना बनाई, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है।

16.00 hours

अब एसीपी अमाउंट है। शैडयूल कास्ट्स के लिए सब प्लान होना चाहिए। पापुलेशन के हिसाब से उन्हें बजट का एलॉटमैंट होना चाहिए। क्या आप कर रहे हैं? आप अम्बेडकर की 125वीं सालगिरह मना रहे हैं, जन्मदिन मना रहे हैं। आपने कर्नाटक में स्पेशल कम्पोनेंट एक्ट बना दिया। इससे पहले आंध्र प्रदेश में भी किया। जब आंध्र और तेलंगाना दोनों एक थे, तब उन्होंने सबसे पहले स्पेशल कम्पोनेंट एक्ट बनाया। उसके बाद कर्नाटक में यह एक्ट बना। इसमें उनका जितना भी पैसा रहता है, एलॉटमैंट रहता है, वह कभी लैप्स नहीं होगा और वह बैकलॉग वैसे ही खर्च किया जायेगा। अगर आप इन लोगों की मदद करना, बाबा साहब अम्बेडकर को याद करना और उनके कार्यक्रम का अनुष्ठान करना चाहते हैं, तो आप स्पेशल कम्पोनेंट एक्ट लाइये और बताइये कि हम उनके लिए यह कार्यक्रम कर रहे हैं और हमने यह किया। अगर आप सभी जनरल स्कीम्स में कुछ बोलकर बैठेंगे, तो उससे कोई फायदा नहीं होगा। इससे सिर्फ बाबा साहब अम्बेडकर का नाम चलता रहेगा। जब-जब इलैक्शन आते रहेंगे तब तब यह काम सभी लोग करते रहेंगे।

महोदया, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि आप प्रभावशाली प्राइम मिनिस्टर हैं और अपनी पार्टी के बड़े नेता भी हैं। ...(व्यवधान) मैं अपने लिए न कहकर आपके लिए बोल रहा हूं।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि राजीव गांधी जी ने 73rd और 74th अमेंडमैंट लाकर सत्ता का विकेन्द्रीकरण करने का फैसला किया और महिलाओं, दलितों आदि सबको रोस्टर सिस्टम से चेयरमैन बनाने और चुनाव में ओबीसी, शैडयूल कास्ट्स/ शैडयूल ट्राइब्स को रिजर्वेशन देकर उन्हें कांस्टीट्यूशनल राइट्स दिये गये। लेकिन आज राजस्थान में क्या हुआ? संविधान यह कहता है कि सबको एक ही वोट का अधिकार है, यानी वन मैन, वन वोट। उसकी वैल्यू उतनी ही है। किसी एमएलए, एमपी, मिनिस्टर और प्राइम मिनिस्टर को एजुकेशनल क्वालीफिकेशन की जरूरत नहीं है, लेकिन राजस्थान और हरियाणा के चीफ मिनिस्टर्स, जिनके सिर पर हाथ रखकर आपने चीफ मिनिस्टर बनाया, उन्होंने एजुकेशन की ऐसी कंडीशन डाली है कि अगर वहां पर चेयरमैन बनना है तो मैट्रिक या ऐट्थ क्लास पास होना चाहिए। इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं पढ़ी-लिखी नहीं हैं, वे अनपढ़ हैं। ...(व्यवधान) पंचायत एक्ट में अमेंडमैंट करके आप उसकी आड़ में यह नहीं कह सकते कि सुप्रीम कोर्ट ने अपहेल्ड किया, इसलिए हम महिलाओं को इस अधिकार से दूर रखेंगे। आपने गरीबों, शैडयूल कास्ट्स, महिलाओं आदि को इस अधिकर से दूर रखने के लिए यह कानून बनाया है। ...(व्यवधान) इससे यह मालूम होता है कि आपकी आइडियोलॉजी क्या है? आप उसे इम्प्लीमैंट करने के बारे में सोचिए। ...(व्यवधान) एक एमएलए, एमपी, प्राइम मिनिस्टर और चीफ मिनिस्टर के लिए एजुकेशनल क्वालिफिकेशन की जरूरत नही है, तो फिर यह क्वालीफिकेशन चेयरमैन या मैम्बर के लिए कैसे हो सकती है? आप हमें इस बारे में बताइये। अगर यह न्याय है, तो मैं मानता हूं। यह कहां हुआ? बीजेपी के चीफ मिनिस्टर्स जहां हैं, उन दो जगहों पर इन्होंने किया। अगर ऐसे विचारों को आप प्रोत्साहन देते गए और ऐसे नेताओं का और मजबूत करते गए तो इस देश में गरीबों को जो पोलिटिकल पावर संविधान के तहत मिली है, उसे इनडायरेक्टली छीन रहे हैं, उनकी पावर इनडायरेक्टली छीन रहे हैं।...(व्यवधान) इससे मालूम होता है कि आपकी नीयत क्या है। नीति और नियत में फर्क है, यही मैं आपको बताना चाहता हूं।

महोदया, इसमें एससीएसटी एट्रॉसिटीज़ एक्ट का जिक्र है, ठीक है इसे लाया गया है। आपने लैप्स क्यों किया? हम एससीएसटी एक्ट ऑर्डिनेंस के तहत इनको मजबूत बनाने के लिए लाए थे, आपने लैप्स करके परसों यानी डेढ़ साल बाद पास करवाया। इससे यह मालूम होता है कि हर चीज में कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इससे यही मालूम होता है कि आप नहीं चाहते कि ये लोग मजबूत बनें और अपने पैरों पर खड़े हों। यह भी कब हुआ? क्यों आया? श्रीमती सोनिया गांधी जी को दो बार लैटर टू रिमाइंडर करके लिखना पड़ा कि ऐसा एक्ट हम लाए थे, वह आर्डिनेंस लैप्स हो गया, कृपया करके इसे लाइए। इसे दो बार लिखना पड़ा और बाद में यह पास होकर आया है। आप इसका क्रेडिट ले रहे हैं, लीजिए। लेकिन मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं, आप जो चाहते हैं, कहते हैं वह होता नहीं है, आप वह नहीं कर रहे और इसी वजह से हम जनता को बताते हैं, बताना हमारा फर्ज है कि जो चीजें ये कहते हैं, करते नहीं हैं।

महोदया, अब मैं किसानों की बात कहना चाहता हूं। किसानों के बारे में माननीय प्रधानमंत्री जी ने बहुत बड़ी सभा की, उसमें फीते गांठे ऐसे लैक्चर दे रहे थे कि छत्तीसगढ़ के सारे किसानों की समस्या हल हो गई। ...(व्यवधान) मैं उनको बताना चाहता हूं कि 2014-15 में कृषि विकास दर नेगेटिव था, 0.2 परसेंट था। पिछले वर्ष में 3.7 था, यह डाउन हो गया। क्यों डाउन हो गया? इसके बाद कृषि उत्पादन 4.9 था जो नीचे गिरकर अब 0.5 पर आ गया। किसानों की बात कहते हैं जबकि किसानों का प्रोडक्शन कम हो रहा है, किसानों की पैदावार कम हो रही है। इनके बारे में आप कुछ भी नहीं सोच रहे हैं। 3228 किसानों ने आत्महत्या की है, मजे की बात है, बीजेपी के सपोर्टर गोपाल शेट्टी जी ने महाराष्ट्र में क्या कहा, उन्होंने कह दिया कि एक फैशन बन चुका है, किसानों में आत्महत्या करना एक फैशन बन चुका है।...(व्यवधान) यह सभी पेपर में आया हुआ है, उन्होंने डिनाई नहीं किया है।...(व्यवधान)

SHRI GOPAL SHETTY (MUMBAI NORTH): Hon. Speaker, I have denied it. ...(*Interruptions*) आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं। मैंने इसका डिनाई किया है। मैंने सभी मीडिया के लोगों को नोटिस डिफेमेशन केस के बारे में दिया है। किसानों को पैसा बांटने में हर राज्य में स्पर्धा हो रही है, मैंने कम्पीटिशन ट्रैंड की बात कही है। मैंने किसानों के बारे में बिल्कुल नहीं कहा है।...(व्यवधान) मैंने किसानों के बारे में कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री जलयुक्त शिवार योजना के माध्यम से काम कर रहे हैं, काम करने से ही किसानों की आत्महत्या रुकेगी, पैसा बांटने से नहीं रुकेगी, मैंने यह कहा है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए बहुत धन्यवाद।

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : उन्होंने चैनल पर कहा है कि स्लिप ऑफ टंग हुई है और इन्होंने चैनल पर आकर माफी मांगी हुई है।

श्री गोपाल शेट्टी : मैंने फैशन नहीं कहा है।...(व्यवधान) मैंने ट्रेंड कहा है, कम्पीटीशन भी कहा है। हां, मैंने बोला है और मैंने डीफेमेशन का केस भी किया है।...(व्यवधान)

श्री राजीव सातव: शेट्टी जी, आपने किसानों की आत्महत्या को फैशन बोला है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यानी आपके आजू बाजू यदि ऐसे नेता लोग रहें तो आपकी गाड़ी, आपका प्रोग्राम कहां तक चलेगा?...(व्यवधान) कोई ऐसे कहता है, कोई बोलता है कि गोली मार दो, कोई कहता है कि किसी को जान से मार दो।...(व्यवधान) ये सभी चीजें आपके वहां से निकलती हैं। ऐसी बातें जब वहां से निकलती हैं तो सदन में नेचुरली हंगामा होता है और सदन में जब हंगामा होता है तो डिसरप्शन होता है और जब डिसरप्शन होता है तो आप कहते हैं कि कांग्रेस के लोग हमेशा डिसरप्शन करते हैं।...(व्यवधान) ये जो चीजें हैं, यह सब जो हो रहा है, अध्यक्ष जी, मैं आपसे विनती करता हूं क्योंकि मैं कल भी नहीं बोला, परसों भी नहीं बोला। हालांकि मेरा कल बोलने का था लेकिन तब भी मैंने कल नहीं बोला। मैं आपके सामने आंकड़े भी देता हूं। ये आंकड़े मेरे नहीं हैं, ये भी आपके पास से ही आए हैं।

> "In a stark reflection of the continuing distress in rural India, the number of suicides by farmers and farm labourers increased five per cent at 12,360 in 2014 against 11,772 in the previous year, showed a report by the National Crime Records Bureau."

इसमें 5650 किसान और 6710 एग्रीकल्चरल लेबरर्स हैं। आप एमएसपी डिक्रीज कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Khargeji, please be brief. You have already taken 45 minutes.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : ये सब बातें बोल बोलकर तो आप हुकूमत में आए हैं। फिर वही बात बोल रहे हैं लेकिन आप इंप्रूव नहीं कर रहे हैं। उससे भी खराब सिचुएशन आपने क्रिएट की है।...(व्यवधान) मैं सदन को यह बताना चाहता हूं। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो के ये आंकड़े हैं। मेरे नहीं हैं।

इसके बाद आप किसानों की बात करते हैं लेकिन आपने किसानों को कितना मिनिमम सपोर्ट प्राइस दिया? आपने गेहूं, पल्सेज, पैडी, तूर को कितना दिया? मैं आपको सिर्फ चार-पांच बताना चाहता हूं। देसी कपास और अमेरिकन कपास- जब 2012-13, 2013-14 में जब सौ रुपये एमएसपी में इंक्रीज हमने की थी यानी 3600 से 3700 किया गया था और 3900 से 4000 किया गया था लेकिन आपके जमाने में देसी कपास को वर्ष 2014-15 और 2015-16 में सिर्फ 50 रुपये दिया गया। फिर उसके बाद अमेरिकन कपास को 50 रुपये किया गया। ...(व्यवधान) फिस् उसके बाद तूर को सिर्फ 75 रुपये किया गया जबकि हमारे जमाने में 450 रुपये किया गया। उसके बाद मूंग को सौ रुपये हमने दिया और आपने सिर्फ 50 रुपये दिया। फिर मक्के को हमने 135 रुपये दिया और आपने सिर्फ 15 रुपये दिया।...(व्यवधान) बाजरा को हमने 75 रुपये दिया, आपने 25 रुपये दिया। हमने सोयाबीन को 320 रुपये और काली सोयाबीन को 300 रुपये दिया तो वहीं आपने सिर्फ 40 रुपये दिया। तो ये किसान विरोधी नीति नहीं है तो क्या है?

महोदया, आप बताएं कि क्या यह किसान विरोधी नीति नहीं है? आप बोलिए, मैं आपकी बात सुनता हूं। ये आंकड़े मेरे नहीं हैं, आप देख सकते हैं कि आज किसानों की क्या हालत है।

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप अपनी बात पूरा करने के लिए कितना समय चाहते हैं। आप करीब एक घंटे से बोल रहे हैं। आपकी पार्टी के दूसरे सदस्यों को बोलने के लिए समय नहीं मिल पाएगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदया, अगर आप मेरी पार्टी के दूसरे सदस्यों को बोलने के लिए समय नहीं देंगी, तो मैं अपनी बात यहीं समाप्त करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : यह बात आप देखिए क्योंकि आपकी पार्टी को बोलने के लिए एक घंटे का समय दिया गया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : किसानों को सिंचाई की जरूरत होती है और इसके लिए आपने नए-नए प्रोग्राम भी बनाए हैं। पेज-4 के पैरा-14 में इरिगेशन के बारे में आपने कहा कि "जल संचय फॉर जल सिंचन" और "मोर क्रॉप पर ड्रॉप" आपका स्लोगन है लेकिन यूपीए सरकार ने जो एक्सलेरेटिड इरिगेशन बेनिफिट प्रोग्राम बनाया था और उससे हर राज्य में जहां कहीं भी तालाब हों, चैक डैम्स हों, रेस्टोरेशन, रिपेयर हो और इनके लिए अगर पैसे की कमी होती है तो ठीक बात नहीं है। हम इसे एआईबीपी स्कीम में लाकर कर करोड़ों रुपए देते थे। पिछली सरकार इस मद के लिए 12 हजार से 16 हजार करोड़ रुपए तक देती थी। इस पैसे को कम करके आपने दो हजार करोड़, ढाई हजार करोड़ रुपए बना दिया। किसानों के हित के प्रोग्राम्स में कटौती की गई है। एमएसपी काट दिया है, एआईबीपी में इरिगेशन में कटौती की है और आप कह रहे हैं कि "मोर ड्राप पर क्राप। " आप इरिगेशन को महत्व नहीं दे रहे हैं और प्लानिंग कमिशन को हटा कर नीति आयोग बना दिया है। नीति आयोग क्या काम कर रहा है, यह हमें समझ नहीं आ रहा है। ड्रिप इरिगेशन को भी जितना पैसा देना चाहिए था, नहीं दिया गया है और सब्सिडी भी कम कर दी है। जो प्रोग्राम्स किसानों के हित में हैं, उनमें कटौती क्यों की गई है? आपने एससीपी में एमाउंट कम कर दिया है। सोशल सैक्टर में भी एमाउंट कम कर दिया है। आपने रेट बढ़ाए भी हैं लेकिन कारपोरेट टैक्स को पांच परसेंट कम किया गया है। उन्हें इससे 80 हजार करोड़ रुपयों का फायदा होता है और चार साल में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों का फायदा मिलेगा और हमें 80 हजार करोड़ रुपए कम करने से कम से कम चार लाख करोड़ रुपयों का घाटा होता है।

महोदया, मैं कहना चाहता हूं कि ये सभी किसान विरोधी चीजें हैं। फर्टिलाइजर नीम कोटिड स्कीम लाए हैं। यूपीए सरकार में यह स्कीम वÂर्ष 2007-08 में लागू की गई थी। मुझे कई प्रोग्राम्स देखकर हंसी आती है क्योंकि सिर्फ नाम बदल दिए हैं। मनरेगा के लिए प्रधानमंत्री जी को उस समय नहीं उड़ाना चाहिए था लेकिन उस समय उन्होंने क्या समझा, यह मुझे नहीं पता है। उनकी आदत है कि विपक्ष को ह्यूमिलेट करके बात करूंगा तो बहुत बड़ा बन जाऊंगा, ऐसी उनकी सोच होगी लेकिन उनकी सोच गलत है। मनरेगा प्रोग्राम किसानों को, मजदूरों को अपना पेट भरने के लिए और साल में कम से कम सौ दिन काम मिले इसलिए बनाया गया था और आपने कहा कि मैं इसे कभी नहीं रोकूंगा और जिंदा रखूंगा क्योंकि आपने यह काम साठ सालों में किया है, यह आपका स्मारक है। ऐसी बातें कहकर आप उन गरीबों का मजाक उड़ा रहे हैं, ऐसा कहकर इस स्कीम का मजाक उड़ा रहे हैं। ...(व्यवधान) यह ठीक नहीं है। ...(व्यवधान) अगर आप चाहते हैं, तो दूसरा स्कीम लाइए, लेकिन मनरेगा को पूरे वर्ल्ड में एप्रीसिएट किया गया है, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना को पूरे वर्ल्ड में एप्रीसिएट किया गया है, फुड सिक्योरिटी ऐक्ट को पूरे वर्ल्ड में एप्रीसिएट किया गया है और राइट टू एजुकेशन ऐक्ट (आरटीई) को पूरे वर्ल्ड में एप्रीसिएट किया गया है। जब मैं खुद जी-20 समिट में गया था तो सारे लोग इन प्रोग्राम्स को देखते थे। यहाँ तक कि ब्राजील के लोग इन कार्यक्रमों को इम्प्लीमेंट करने के लिए आपके पास आए, इवन साउथ अफ्रीका के लोग, अफ्रीकन कंट्री के लोग इन प्रोग्राम्स को देखकर खुश हैं और वे चाहते हैं कि ऐसे प्रोग्राम इम्प्लीमेंट हों। वर्ल्ड बैंक कहता है कि इसकी वजह से इपूवमेंट हुआ है, वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन कहता है कि इनकी वजह से इंप्रूव हुआ है। ...(व्यवधान) यदि यह स्कीम गरीबों के लिए है तो आपको यह कहना नहीं चाहिए था, लेकिन आपने क्यों कहा यह मुझे नहीं मालूम हुआ। इससे यही मालूम होता है कि आरएसएस का बहुत भारी प्रभाव है। यह एक प्राइम मिनिस्टर के लिए अच्छा नहीं है। यह बीजेपी के एक वर्कर के लिए ठीक होगा या प्रचारक के लिए ठीक होगा, लेकिन इस देश के प्राइम मिनिस्टर के लिए यह ठीक नहीं है। हर बीमारी में अलग-अलग मेडिसीन लेना चाहिए। लेकिन बीमारी अनेक हैं और दवा एक ले रहे हैं। ...(व्यवधान) इसीलिए आरएसएस के पास यह दवा नहीं है क्योंकि उन्होंने हमेशा इसके बारे में, कभी गरीबों के बारे में नहीं सोचा। ...(व्यवधान)

आपने भ्रष्टाचार की इतनी बात कही ताकि वह दुनिया के युवकों में एक ऐसा भ्रम पैदा करे, जो काला धन है, वह सौ दिनों में वापस आ रहा है। सब लोगों की जेब में 15-15 लाख रुपये जा रहे हैं। वे कहाँ हैं? सौ दिन बीत गये, अब 650 दिन हो गये। मैंने गिना है। लेकिन एक पैसा भी नहीं आया है। आप कहना भी नहीं छोड़ रहे हैं। आप कहीं भी जाते हैं, तो आप पहले कहते हैं- भाइयो और बहनों! इतना काला धन बाहर है, इसे मैं लाऊँगा और सबको दूँगा। वह कहाँ है? यदि उधर कुछ दिये तो मुझे मालूम नहीं, लेकिन इधर तो नहीं आया। ...(व्यवधान)

जहाँ तक बैंक लोन की बात है, तो चार लाख करोड़ रुपये का बैंक लोन आज बड़े-बड़े लोगों के पास बकाया है। ...(व्यवधान) स्टेट बैंक मेरा भी नहीं है और आपका भी नहीं है, रिज़र्व बैंक मेरा नहीं है और आपका भी नहीं है। ...(व्यवधान) इसे रिकवर करने की जरूरत है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : No cross talking. प्लीज आप लोग बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सलीम साहब आप चिन्ता मत कीजिए, वे सब सक्षम हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप सुनिए, वे ऋण इसलिए माफ किये गये ...(व्यवधान) यूपीए गवर्नमेंट ने किसानों के 72 हजार करोड़ रुपये ऋण माफ किया। जब कारपोरेट गवर्नमेंट आयी तो उनका माफ करना जरूरी था। इसीलिए उन्होंने माफ किया।...(व्यवधान) इसलिए अपने दोस्तों की उन्होंने यह बात की। ...(व्यवधान)

यह जो इंडिया-अफ्रीका समिट हुआ, वह इतना बड़ा समिट हुआ, उसमें सारे देश के नेता लोग और डिग्नीटरीज आये थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का नाम लेकर वहां पर, मैंने सात या आठ लोगों के बारे में पढ़ा कि उन्होंने जो कोशिश इस इंडिया-अफ्रीका समिट के लिए की थी, उसका एक जिक्र नहीं हुआ। हमारे फॉर्मर प्राइम मिनिस्टर ने इसके लिए कोशिश की, यह बात दूसरे देशों के लोग कहते हैं, लेकिन इस देश के प्रधानमंत्री जी उनका नाम भी लेना मुनासिब नहीं समझते हैं। यह क्या है? यह ब्रेट्रेडनेस है। अगर ऐसा ब्रेट्रेडनेस का वातावरण पैदा करेंगे तो देश में ऐसा ही चलेगा। जो किया है, किया है, जो नहीं किया है, उसे मान लेंगे। पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का इस समिट को बनाने में बहुत बड़ा हाथ था, लेकिन आपने उनका नाम भी नहीं लिया, उनके बारे में वहां जो प्रेसिडेंट और प्राइम मिनिस्टर थे, उन्होंने जो बोला, उसका आपने समर्थन भी नहीं किया। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि आपके बोलने से या न बोलने से कोई इतिहास बदलने वाला नहीं है। इतिहास तो रहेगा और इतिहास सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। किसी का नाम न लेने से वह मिट जाएगा, अगर ऐसा कोई सोचता है तो वह गलत है, कभी ऐसा नहीं होता।...(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सावरकर जी की पत्रिका हटाई थी आप लोगों ने, उसे याद कीजिए।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: गोडसे का लगा रहे हैं न।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खडगे जी, अब अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, कांग्रेस पार्टी देश की सिक्योरिटी फोर्सेज को सलामी देती है और बधाई देती है जिन्होंने बार-बार हर मोर्चे पर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया, चाहे वह पठानकोट हो, सियाचिन हो या अभी हाल में कश्मीर में टेररिस्ट हमला हो। सरकार बार-बार क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म रोकने के लिए अपना ठोस और प्रभावशाली कदम उठाने की बात करती है, लेकिन सरकार के पास न कोई मजबूत नीति है, न कोई मजबूत कदम अब तक उठाया गया है। इससे हर जगह एक भय का वातावरण बन रहा है। आज पाकिस्तान को कौन सपोर्ट कर रहा है? पहले आपने भी सुना होगा, अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर विमान देने का वायदा किया है। प्रधानमंत्री जी आप हमेशा टेलीफोन पर ओबामा जी के साथ गपशप करते हैं, ऐसी बात मन की बात में आई थी। ...(व्यवधान) बराक ओबामा के साथ आप गपशप करते हैं, मन की बात...(व्यवधान) क्या कहते हैं, उसके लिए सुनना पड़ता है, बोलने के लिए भी सुनना पड़ता है। अब आप कम से कम उनसे टेलीफोन पर बात कीजिए और पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर विमान क्यों दे रहे हैं, उसकी क्या वजह है, क्या कारण है, उनसे पता कर लीजिए और हमें बता दीजिए क्योंकि सदन को भी मालूम होना चाहिए। ...(व्यवधान) ये उनके मित्र हैं, टेलीफोन पर बात करते हैं। अब भी अगर आप हॉट लाइन पर उनसे बात करके हमें बता देते हैं तो ठीक रहेगा और जनता को भी यह मालूम हो सकेगा। यह बड़ी अच्छी बात है कि सरकार ने यूपीए के सभी कार्यक्रमों को अपना लिया है, दूसरे-दूसरे नामों से। परन्तु सरकार का हर काम प्रधानमंत्री के चारों तरफ घूमता हुआ नजर आ रहा है। हमारी हर

योजना के पीछे अब नाम देने में शायद वे झिझक रहे हैं, आज एक नाम आया है रेलवे का, दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम से कुछ हुआ है, कोच के लिए।... (व्यवधान) मैं आपको आठ प्रोग्राम बताता हूं- प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री निजी क्षेत्र कल्याण योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, यह योजना पहले भी थी। प्रधान मंत्री के नाम पर अभी आठ योजनाएं बनाई गई हैं और भी आगे आएंगी। यह सब पहले के कार्यक्रमों को मिटाने के लिए और भुलाने के लिए किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदया, अभी मैं और भी बातें कहना चाहता था, लेकिन आप इजाजत नहीं दे रही हैं। इसलिए मैं एक-दो बातें कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा।

माननीय अध्यक्ष: आपकी पार्टी से बाकी सदस्य भी बोलेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि ये जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं इस सरकार द्वारा, ये पुराने कार्यक्रमों को नया नाम देकर चला रहे हैं। मैं इस मौके पर इतना ही कहना चाहता हूं○:○:-

तुमने चाहा ही नहीं, वरना हालात बदल सकते थे,

तेरे आंसू मेरी आंखों से निकल सकते थे।

तुम ठहरे झील के पानी की तरह,

दरिया बनते तो बहुत दूर निकल सकते थे।

लेकिन छोटा दिल होने की वजह से देश का विकास नहीं होता और जब तक सबको साथ नहीं लेंगे, विपक्षी दलों को साथ नहीं रखेंगे, उनकी सलाह नहीं लेंगे, तो प्रगति होने वाली नहीं है। बार-बार बाहर जाकर यह कहना कि विपक्षी पार्टीज डिस्टर्ब कर रही हैं, वे ही जिम्मेदार हैं, प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। ऐसी बातें कहने से बात नहीं बनती है। बात उससे बनती है जहां सहमति होती है, जहां हम मिलकर काम कर सकते हैं, जरूर करेंगे। लेकिन अपनी ही बातों को रखकर आप दूसरों से मनवाने की कोशिश करें, तो यह नहीं होने वाला है। हमारी बात आपको सुननी चाहिए और देशहित में अगर ठीक बात है तो हम भी सुनेंगे। हम कभी भी गड़बड़ करके असहयोग नहीं करते हैं, हमेशा कॉपरेशन करते आए हैं। आप दो दिन से देख रहे हैं कि हम सहयोग कर रहे हैं, लेकिन प्राइम मिनिस्टर यह बात छोड़ देते हैं। वह बाहर जाकर कहते हैं कि डिसरप्शन विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस पार्टी कर रही है। कांग्रेस पार्टी डिस्टर्ब करती है, कांग्रेस पार्टी डेमेक्रेटिकली सपोर्ट नहीं करती है। ये चीजें बाहर कहकर जो भ्रम पैदा किया जा रहा है, यह ठीक बात नहीं

है। हम डेमोक्रेसी को चाहते हैं, हम संविधान को चाहते हैं। संविधान के मुताबिक ही हम चलना चाहते हैं और आपको भी उसके अनुसार चलाना चाहते हैं। इसलिए कि संविधान बाहर का नहीं है, यह सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ लोकतंत्र के लिए है। हमारे अपने-अपने घरों में पूजा-पाठ के लिए अलग-अलग ग्रंथ हो सकते हैं, लेकिन इस देश के 125 लोगों के लिए संविधान ही एक ऐसा ग्रंथ है, जो सबके हित में है। उसकी हिफाजत करो, उसे ले चलो, सभी लोग साथ आते हैं। लेकिन आप उसे अलग छोड़कर सिर्फ आर.एस.एस. के साथ चलेंगे तो देश बर्बाद होगा, इतना ही कहकर मैं धन्यवाद देता हूं और अपनी बात समाप्त करता हूं।

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : अध्यक्ष जी, मैंने सोचा कि हमारे वरिष्ठ नेता श्री खड़गे जी कुछ अच्छे शब्द बोलकर अपनी बात समाप्त करेंगे। वह एक घंटा बोले। अंत में हमें श्राप दिया कि सर्वनाश होगा। कांग्रेस के पास श्राप देने की वह शक्ति या क्षमता ही नहीं है, वह नैतिक अधिकार भी नहीं है। कारण यह है कि उन्होंने देश में जो भी हुआ है, उसके लिए वह जिम्मेदार हैं। उन्हें भी यह बात मालूम है और देशवासियों को भी मालूम है।

मुझे एक विषय पर प्रसन्नता है कि उन्होंने अंत में उन्होंने कहा, हमारी सरकार आने के बाद इतने सत्र जो हुए, काफी दिनों के बाद, इस सत्र में दो दिन से हम समर्थन कर रहे हैं और संसद चल रही है। यह अच्छी बात है। बाहर जाना, वाकआउट करना, उनका अधिकार है, उस पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने टाकआउट किया, फिर वाकआउट किया, वह अच्छा है। कम से कम दो दिन ब्रेकआउट नहीं किया, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। लोकतंत्र को कायम रखने के लिए उन्होंने अपनी ओर से मदद की, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। वह कह रहे थे कि बीमारी है तो सही दवा लेनी चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि बीमारी है ही नहीं। हमारे प्रधान मंत्री जी को भी कोई बीमारी नहीं है और हमारी पार्टी को भी कोई बीमारी नहीं है। इसलिए दवा लेने का सवाल कहां से आता है। बीमारी है आप लोगों को। इतने साल से जो बीमारी है, यह बीमारी...(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय (दमदम) : आपको इनटॉलरेंस की बीमारी है।...(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : सौगत राय जी, कुछ सदन की मर्यादा का ध्यान रखिए।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : That is our problem. ...(*Interruptions*) You think that country means only your Party. ...(*Interruptions*)

He also read some names. I thought that he is reading some names where people will be really surprised, and he read the names of some 7-8 schemes. Out of hundreds and thousands of schemes in the country of the Central Government and the State Governments, some 8 schemes are named after the Prime Minister. ...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Madam, is he going to speak now? ...(*Interruptions*) What he wants to do? Madam, if you are allowing him to speak ...(*Interruptions*) Every time, he cannot get up and talk. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : I am intervening. ...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Yesterday also he talked and today also he is talking. What is this?...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Shri Mallikarjun Kharge, why are you getting disturbed? ...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Then, I have to reply. ...(*Interruptions*) I am giving proof of what your RSS and Shri Bhagwat have said in Madhya Pradesh and Kolkata. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Kharge, he is intervening.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He has every right to intervene.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Shri Bhagwat is the most patriotic and nationalistic Leader and we all are proud of him. Do not worry about him. ...(*Interruptions*) The august House is discussing ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : We need not read here what all your Congress Leaders have said outside. Should I read it here? ...(*Interruptions*) It is not the issue. The issue is what the President's Address says; what this Government has done; and what the earlier Government has failed to do. This is the issue that we are discussing. For the sake of mentioning, 8 schemes named after the Prime Minister of India were mentioned. Madam, recently there was a book published and in that it is written that 618 schemes of the Government of India were named after one family. ...(*Interruptions*) Are you worried? ...(*Interruptions*) It is not Narendra Modi. The Prime Minister is an institution of India. I do not know why anybody has any objection about the name of the Prime Minister, and it is not even a name also. It is the institution of the Prime Minister. I would very politely like to tell him that in their anxiety to just portray a negative picture we should not get into such points where you do not have a point at all.

Madam, the nation and the direction in which our great country is moving further with the efforts of the Government led by our Prime Minister, Shri Narendra Modi, is there before everybody and everybody could see it. Some people are saying that हमने सब कुछ किया है। एक तरफ कह रहे हैं कि सब कुछ हो गया है, दूसरी तरफ कह रहे हैं कि उस स्टेट असेम्बली में आप यह कानून लाए हैं। उस स्टेट असेम्बली में बोलना चाहिए था, लेकिन वहां नहीं बोले। उसके बाद कोर्ट गए। स्टेट असेम्बली ने कानून पारित किया था, उस पर बाद में उन्होंने स्टेम्प लगवायी। वहां नहीं बोले, लेकिन यहां कह रहे हैं कि अनपढ़ लोग ज्यादा हैं, गरीब लोग ज्यादा हैं। गरीबों को वंचित कर रहे हैं। एक तरफ कह रहे हैं कि हमने सब कुछ कर दिया, सब कुछ हो गया। सभी को न्याय दिया है, आदिवासियों के लिए हो गया है, हरिजन के लिए हो गया है, दलित के लिए हो गया है, किसानों के लिए हो गया है, सब का भला हो गया है, वहीं दूसरी तरफ कह रहे हैं कि वंचित कर रहे हैं। यह दोनों साथ-साथ कैसे हो सकता है? आपके जमाने में सब कुछ हो गया है, सब शिक्षित हो गए हैं। हमें आए हुए केवल 18 महीने हुए हैं। क्या 18 महीने में सब लोग अनपढ़ हो गए हैं? जो लोग पहले पढ़े-लिखे थे, क्या वे 18 महीने में एकदम अनपढ़ गए? बोलते समय बातों में थोड़ा तर्क होना चाहिए। इसमें तर्क नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खडगे जी, आप बोल चुके हैं। Every now and then नहीं होता है।

...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Madam, the hon. President, in his Address to the Members of Parliament has given a detailed account of the efforts of his Government over the last 21 months before urging all of us not to derail the momentum that has been generated. ...(*Interruptions*) A new momentum has been generated in the country. A lot of hope has been generated; new aspirations are coming; the country is moving forward; and everybody is looking forward. We should not try to derail that momentum; nobody should obstruct the functioning of the Parliament; and we should not obstruct the Bills for the sake of obstructing because it does not suit us politically. This should not be the thinking because much water has flown as 68 years are over.

Hence, the hon. President's Address was an elaborate statement of intentions of this Government, initiatives taken and intensity with which this Government is moving forward in order to live up to its commitments to the people in pursuit of the mandate it has got from the people. The people of India have given a mandate to the Prime Minister. If every section was very happy – food security was applauded by everybody, Scheduled Caste welfare has been taken care of, women welfare has been take care of, but they have not taken care of the Party, which has taken care of them.

कह रहे हैं कि सब कुछ हो गया है और दुनिया भर में सब लोग खुश हैं, लेकिन देशवासी खुश क्यों नहीं हैं? इस स्थिति में क्यों पहुंच गए? हर एक को आत्मचिंतन करना चाहिए कि उस स्थिति से इस स्थिति में क्यों आ गए, इसके बारे में गम्भीरता से सोचना चाहिए।

What is NITI Aayog and what has it got to do with 'Transformation of India'? I have been telling and I want to repeat it again, Madam, for the sake of the country that 'NITI' stands for "National Institute for Transformation of India'. भारत की सर्वांगीण उन्नति, in every region, for every section of the people, there has to be progress. That is the aim of this Government, and this Government is moving in that direction.

India's reputation is going up not only within the country, but also in the entire world. अमरीका के प्रेसीडेन्ट से भी बात की तो वह भी मजाक का विषय बन गया। America is a friendly country. What is wrong in talking to the American President, I am not able to understand. If at all F-16 issue has to be discussed, it will be discussed; there is nothing wrong in it. The Leader of the Congress Party can give suggestions. Did the Congress President not speak to the American President earlier or never used to be friendly with the American President? Why should we bring in even diplomatic and international relations into the debate just for scoring points over each other? I do not think it is correct.

India's reputation is going up. In the age of international slow down where everything is going downwards, in the age where China is showing signals of negative growth, it is very heartening for all of us that India is moving up. India is an island of hope for everybody in the world. This is not what Venkaiah Naidu is saying. "Ease of Doing Business: Initiatives taken by the Government" is what the President of India has referred to in his Address.

The International Monetary Fund Chief has recently said, "India is among the few bright spots in the global economy today." Secondly, the IMF projected a 7.5 per cent growth rate for India in 2016 against China's 6.3 per cent. Thirdly, the World Bank has projected our growth rate to be at 7.5 per cent for this fiscal. The World Bank has said it. The Asian Development Bank projected that India will grow at 7.8 per cent in the financial year 2016 and that it will outpace China. Fitch Ratings forecast 7.5 per cent growth. Moody's Ratings, and not Modi's, revised outlook on India's banking system to 'stable' from 'negative' this month, which has been 'negative' since 2011. From 'negative', it has become 'stable'. The World Bank has recently improved India's ranking by 12 places in 'Ease of Doing Business', highest for any country in one go. India has improved UNCTAD ranking of investment attractiveness from 15th to 9th position. India has jumped 16 places in the Competitive Index of World Economic Forum putting the country on a course to overtake China by the end of 2016. This is the situation in the international scenario. This is the change that has been brought about by the initiatives taken by this Government in the last 18 months.

माननीय अध्यक्ष : मौ.सलीम, यह क्या हो रहा है?

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing else will go on record, except whatever the Minister Shri M. Venkaiah Naidu is saying.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : सलीम जी, आप तृणमूल का सामना नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए आप कांग्रेस के साथ जाना चाहते हैं, जाइये, हमें कोई आपत्ति नहीं है। कांग्रेस और कम्युनिस्ट...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : आप बहुत बदनाम हो गये हो।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : ठीक है, नाम हुआ, बदनाम हुआ, किसका हुआ, कितना हुआ, कौन यहां थे, कौन वहां थे, अब कहां तक पहुंच गये, कौन सिंगल डिजिट में पहुंच गये, इसलिए आप चिंता मत करिये। आप वहां लड़ने की स्थिति में नहीं हैं। आप वहां कांग्रेस के साथ जाना चाहते हो, यहां दिल्ली में कोऑपरेशन है, बीच में सैपरेशन था, फिर दोबारा आपरेशन में आना चाहते हैं, आप करिये, हमें कोई आपत्ति नहीं है।

Madam, the Prime Minister of India, in the shortest span of time, has toured 32 countries. Today India is recognized and it is playing an important role in WTO. It played an important role in WTO. We have stopped certain discussions because Indian interests are going to be compromised. We stood firm by mobilising the support of other countries, which is a matter of happiness for anybody.

Then, there is growing support for India's claim to United Nations Security Council membership. Country after country is extending support for India's cause to the membership of the United Nations Security Council.

Indo-Bangla Border Agreement, which is pending since 1972, has been concluded under the dynamic leadership of this Prime Minister with the cooperation of one and all.

On June 21, International Yoga Day was observed in 192 countries. Yoga is not new; it is old. It is bold. But it has been recognised. Thanks to the initiative taken by the Prime Minister. The entire world today has accepted and 172 countries have performed it out of 192 who have supported that Resolution also.

Several new initiatives were taken – One initiative for one week. Some people are not able to digest it. But what can I do? There is a saying in Thirukkural. The great poet Thiruvalluvar has said:

"P*oraamai kondu,Uyarnthavarum villay,*

Athu illatha pothu, thaazhnthavarum illay."

What does it mean? For the sake of my friends who will not be able to understand Tamil, I would say: "None has gained through envy, nor the unenvious ever last"

ईर्ष्या के कारण किसी को फायदा नहीं मिलता है। प्रधान मंत्री ने दुनिया भर में इतने दौरे किए, इतना बढ़िया काम कम समय में कर के दिखाया, इससे ईर्ष्या हो कर उनकी आलोचना करना किसी के लिए अच्छा नहीं है।

We have taken one initiative for one week; 90 initiatives are taken in these 88 weeks. You are counting days as 650 days. You should also remember that along with days, weeks are also there. If I count 55 years into days, how long will it be? I do not want to count those black days. I want to see the bright days of only these 88 weeks. ...(*Interruptions*) Shri Khargeji, you are a senior Member. In hundred days time, action has to be taken. We have started taking action. Earlier you had not even thought about it. I have the respect for you. Even if you make a comment while sitting also, I will respond to that.

Earlier the banks were nationalised. They were nationalised but were only notionalised. Nothing has happened to the poor people. But this Prime Minister took an initiative within nine months of coming to power. It is a very happy news for the entire people of the country that 21 crore new bank accounts have been opened. It is a world record – Jan Dhan Yojana. Immediately, the chorus started saying. नहीं-नहीं केवल बैंक अकाउंट्स खुलने से क्या होगा, एंप्टी बैंलेंस हैं। एंप्टी नहीं है, यह हंप्टी-डंप्टी नहीं है। आप एक बार जा कर देख लीजिए, बैंक अकाउंट्स में 32 हज़ार करोड़ रूपये हैं। ...(व्यवधान) Please have some tolerance. We have been tolerant towards you for the last 58 years. Please be tolerant to us for some years to come, at least for the coming ten years. Subsidised LPG gas connection has been given to 50 lakh people. 50 लाख लोगों को दिया है। पहल, प्रधान मंत्री जी की देश भर में इतनी मान्यता है, एक छोटा सा उदाहरण है, प्रधान मंत्री ने कोई कानून नहीं बनाया है, उन्होंने केवल एकमात्र अपील जारी किया। वह अपील जारी किया तो about 62 lakh people surrendered their LPG connection. That is the greatness of our Indian people; that is the respect they have towards the Prime Minister of India. They have given it up voluntarily. They are saying that the Government is of corporates. Who is responsible for the health of the present banking system in the country? Who was in power all these years? Who has given this money left and right to those corporate sectors? I need not explain. I do not want to be personal also because there is nothing wrong in having business also. We never consider businessmen as enemies. There are some parties which consider business and industry as bad in the day time and good in the evening time and do business with them. We never subscribe to that. I am repeating it. Let there be no misconception in the country. Industry and agriculture are like two eyes of a human being. Country needs industry, country needs agriculture, both have to be taken care. Without creating wealth, you cannot distribute it. You will become pauper. I always say in Telugu and I am repeating it also.

Pansari, pansari

Our friends from the Left Front used to say to distribute. But first create and then distribute. If you do not create and distribute, then you will become pauper.

Pansari, pansari ante, munda pensari

You have to increase.

Penthakunda panchate, panchamatrame bigultundi

Even that also is no guarantee. For that also there is no guarantee if you start distributing without earning. So, you must earn. That is why you need industry, you need business, you need agriculture, you need services sector also. That is why our Government is focusing on those sectors also.

Madam, people used to say earlier Birla, Ambani, Singhania, Adani, this and that, उन्हीं को बैंक से ऋण मिलता है, ऐसी एक अपप्रथा लोगों में थी, इतने सालों के अनुभव कारण से, मगर अब प्रधानमंत्री जी ने तय किया कि बैंक का दरवाजा खोलो, गरीब लोगों का भी आह्वान करो, उनको भी बिठाओ, बात करो और बात करके उनकी समस्या क्या है, वह सुनो, उसका समाधान करो। इसके लिए प्रधानमंत्री ने एक नया ऐतिहासिक कदम उठाया है, which is going to change the face of the poverty in the country, where the lower middle class, poorer sections, depressed, oppressed and suppressed classes will be having an opportunity to go to the bank and take loans, not just opening accounts but taking loans. For that we have started the Mudra Bank. That is what the hon. President of India also mentioned in his Address. It is not only the Pradhan Mantri's 'mudra'. You have seen also in the last few months the opening of new schemes and I am very happy to state this.

Madam, I come from a rural background. ...(*Interruptions*) Have some *shanti* please. Against 58 years, only 18 months are over. Have some patience.

Mudra Bank has given loans of Rs.1,00,000 crore. Loans of Rs.1,00,000 crore for the ordinary people, that too in amounts of up to Rs.50,000, Rs.1,00,000, etc., without any collateral security, no guarantee. Who are the beneficiaries of these loans? They are flower sellers, fish sellers, मछली बेचने वाले, चाय वाला, ऑटो वाला, सब्जी बेचने वाले, किराना मर्चेंट वाले, रिक्शा वाले, ऐसे साधारण लोग जो अपना जीवन इसी के आधार पर चलाते हैं, उन लोगों को लोन देने के लिए प्रधानमंत्री ने आदेश दिया। उस आदेश का पालन हुआ। Under that, so far Rs.2.6 crore people have been given loans amounting to Rs.1,00,000 crore. I do not think in the annals of the history of any country whatsoever – if there is an example we will also try to take inspiration from them – wherein that much money has been given to the people who are at such lower levels of the economic activity. That is the greatness of this Government.

Then for the first time in the history of the country, Rs. 2,00,000 crore have been given to the local bodies. Late Rajiv Gandhi had brought in the 73rd and 74th Constitution Amendments. He had brought them with a good intention. He wanted to strengthen the three-tier administration of the country – Centre, State and the local bodies, urban as well as rural. इसी के अंतर्गत वे चाहते थे 29 सब्जेक्ट्स, फंड्स, फंक्शंस एंड फंक्शनरीज नीचे तक जाए, डीसेंट्रलाइज हो जाए। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है, कोई भी कारण हो, लेकिन इतने दिन में भी वह काम पूरा नहीं हो पाया। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने एक नया इनीशिएटिव लिया। पहली बार दो लाख करोड़ रूपए स्थानीय ईकाइयों के खातों में डॉयरेक्टली दिल्ली से पैसा जा रहा है। यह व्यवस्था हमने करके दिखाई है। We have proved that not only the Bill but we have the will to implement the Bill. That is why we have done this. यह शुगर केन वाला, महाराष्ट्र में गन्ने वाले, उत्तर प्रदेश में, कर्नाटक में, आंध्र प्रदेश में और अन्य जगह पर गन्ना किसानों की हालत बताने लायक नहीं है, लोग ऐसी स्थिति में हैं। सभी लोग उनके लिए चिंतित हैं। इसके लिए करना क्या है, समझ में नहीं आ रहा है, क्योंकि चीनी के दाम इंटरनेशनल मार्केट में कम हो रहे हैं, जबकि चीनी की पैदावार ज्यादा हो रही है। इस स्थिति में करना क्या है? कम से कम जो किसानों का बकाया फैक्टिरयों पर है, वह बकाया भी नहीं मिल रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने इनीशिएटिव लिया, बैंकों से बात की। 6 हजार करोड़ रूपए सॉफ्ट लोन उनको दिलवाया। पहले जो 21 हजार करोड़ ड्यूज किसानों को था, वह घटकर अभी एक हजार, आज मैंने चेक किया तो वह 12 सौ करोड़ तक नीचे आ गया। 21 हजार से 12 सौ करोड़ रूपए पर आ गया। किसानों के लिए आपने क्या किया, ऐसा पूछ रहे थे, तो हमने यह किया है।...(व्यवधान)

श्री एम.बी.राजेश (पालक्काड) : किसानों की आत्महत्या के बारे में बताइए।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : राजेश ने मुझे अच्छा याद दिलाया। आत्महत्या करना, यह स्थिति, अचानक मोदी जी आए, इसलिए अचानक आत्महत्या किया, फिर इतने साल में यहाँ मोदी जी नहीं थे और प्रधानमंत्री कौन था, मैं बताना नहीं चाहता हूँ, नाम लेना भी उचित नहीं है।...(व्यवधान) सब जानते हैं, प्रधानमंत्री कौन था, चलाने वाले कौन थे, यह सबको मालूम है। इसमें लाखों की संख्या में जो नेशनल क्राइम रिकार्ड्ज़ ब्यूरो को आप क्वोट कर रहे थे, उसी के अनुसार अभी तक देश भर में कितने किसानों ने आत्महत्या की, यह हम सबके लिए सचमुच में शर्म की बात है। It is really a shame to all of us, shame to the system. We have to collectively address this and then see to it that these things are stopped in future. Instead of that, we are trying to score political points. You say, 'during your regime one lakh' and I say, 'during your regime, ten lakh.' यह शोभा देने वाली बात है क्या? इससे क्या किसानों का फायदा होने वाला है? किसानों के नाम पर आपने इतना किया, किसानों के लिए सब कुछ किया, फिर भी किसान ने इतने साल क्यों आत्महत्या की? यह हर स्टेट में हो रहा है, काफी स्टेट्स में हो रहा है। इस स्थिति को रोकना चाहिए। रोकने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। मैं एक के बाद एक बता दूँगा। प्रधान मंत्री जी ने इनीशियेटिव लेकर किसान फसल बीमा योजना में लोएस्ट प्रीमियम लागू किया। पहले प्रीमियम कितना था? आप भी किसान हैं और हम लोग भी किसान हैं, कम से कम किसान परिवार में पैदा हुए हैं। किसान का प्रीमियम 10, 11, 12 या 13 परसेंट होता था। अभी प्रधान मंत्री जी ने स्वयं रुचि लेकर कैबिनेट में दो तीन बार चर्चा करके, विशेषज्ञों से बातचीत करने के बाद खुद तय किया कि यह ऋण रबी में और खरीफ में 1.5 परसेंट या 2 परसेंट तक होना चाहिए, ऐसा प्रधान मंत्री जी ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह निर्णय पहले क्यों नहीं लिया?

PROF. SAUGATA ROY : This is only for 45 districts. It is a pilot project you have just introduced. While 1100 farmers committed suicide in Marathwada last year, you have introduced the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana as a pilot project only for 45 districts. It is too early to speak.

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : यह सही नहीं है। 1 अप्रैल के बाद यह स्कीम अमल होगी और केवल कुछ क्राप्स नहीं हैं, सभी क्राप्स के लिए अमल होगा। साथ ही साथ पहले इंश्योरैन्स के ऊपर कैप था, अब आप प्रीमियम कितना भी पे करो, आपको इतना ही कंपनसेशन आता था। पहले कुछ नहीं किया, मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ। उसको हमने बहुत सुधारा है। कांग्रेस के ज़माने में भी कुछ फसल बीमा योजना आई मगर हम लोग बचपन से सुनते थे और गाँव वाले कहते थे कि यह फसल बीमा योजना नहीं, बैंक ऋण बीमा योजना है। कारण क्या है कि बैंक बीमा कराते हैं, लोन देते हैं और बाद में कुछ नुकसान हो गया तो वह पैसा नहीं देते हैं और किसान को कुछ मिलता नहीं था। पहली बार प्रधान मंत्री ने किया कि सीधा पैसा किसान को मिलना चाहिए, कैप नहीं होना चाहिए, मिनिमम प्रीमियम होना चाहिए, मैंविसमम कंपनसेशन होना चाहिए। इसलिए यह नयी स्कीम का सब लोगों को स्वागत करना चाहिए। अपने अपने इलाकों में सभी एम.पीज़ को करना चाहिए, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में राष्ट्रपति जी ने ज़ोर देकर कहा कि इसके बारे में सब इलाकों में किसानों में जागृति पैदा करके मैंविसमम किसानों की इसमें भागीदारी हो जाए क्योंकि आगे उनके लिए फायदा होगा। कारण क्या है, वह मैं बता रहा हूँ। किसान की हालत गंभीर है। अभी नहीं, बहुत साल से लोग खेती छोड़कर दूसरे इलाके में जा रहे हैं। कारण क्या है कि खेती लाभदायक नहीं है। खेती लाभदायक नहीं है तो वह देश के हित में नहीं है, इसलिए उनको रोकना चाहिए। एक तरफ रोकना चाहिए और दूसरी तरफ वह खेती लाभदायक बनानी चाहिए। कल हरसिमरत कौर जी बोल रही थीं। इसमें केवल गेहूँ, चावल वगैरह नहीं, इस साल हमारी सरकार ने अध्ययन करने के बाद पल्सेज़ के लिए, दालों के लिए पहली बार हमने 275 रुपये मिनिमम सपोर्ट प्राइस कैबिनेट ने बढ़ाया। ...(व्यवधान) पल्सेज़ कम हो रहे हैं, यह क्या पहली बार हो रहा है? दस साल से, पंद्रह साल से ऐसा नहीं हो रहा है क्या? आपने क्यों योजना नहीं बनाई, क्यों इसके बारे में नहीं सोचा, क्यों यह स्थिति आई, इसके बारे में सोचना चाहिए। साथ ही साथ एक और हालत होती है किसानों की। फसल काटने के बाद जहाँ फसल को रखते हैं, हमारे इलाके में उसको खल्लम बोलते हैं, यहाँ खलिहान बोलते हैं, बीच में बारिश आई या ओलावृष्टि हो गई तो बैंक वाले और इंश्योरैन्स कंपनी वाले कहते हैं कि फसल तक ही हमारा बीमा होता है, यह कवर नहीं होता है। किसान हताश होते हैं, निराश होते हैं। इसलिए प्रधान मंत्री जी ने कहा कि उसको भी कवर करना चाहिए। यह प्रधान मंत्री जी के इनीशियेटिव के कारण काम हुआ है। मैं खड़गे जी को बताना चाहता हूँ कि हमारे प्रधान मंत्री जी दिन रात देश के बारे में सोचते हैं। हाँ, हमारा संबंध है परिवार से। हम गर्व महसूस करते हैं। परिवार माने, आपने जो बताया वह - Ready for selfless service, मगर हम लोग परिवार के बारे में नहीं सोचते हैं।

17.00 hours

हम देश के बारे में, जनता के बारे में सोचते हैं और सोचकर प्रधानमंत्री जी ने नये-नये इनीशिएटिव्ज़ लिए। ...(व्यवधान) आपने बहुत कुछ किया, माइनोरिटी का उत्थान किया, वहां से यहां तक माइनोरिटीज़ को लाया।

श्री रमेश बिधूड़ी : अभी खड़गे साहब 10, जनपथ के बारे में सोच रहे थे, वह पता ही नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप रिजर्वेशन के बारे में क्या बोल रहे हैं, वह बोलें। ...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : रिजर्वेशन सब को सही तरह से मिलना चाहिए, ऐसा उन्होंने बोला। आर.एस.एस. ने कहा, उसे तोड़-मोड़ कर लोगों के सामने रखने का आजकल एक फैशन हो गया है और ...(व्यवधान) आपको गर्व नहीं है न, इसीलिए आप कांग्रेस में हैं। हम देश में हैं, मैं फिर से कह रहा हूं, हम आर.एस.एस. से प्रेरणा लेकर राजनीति में आये, इससे हम गर्व महसूस करते हैं। This discipline, this dynamism, this devotion, this dedication, this commitment, character, calibre, capacity, conduct, यह सब हमको आर.एस.एस. से, ए.बी.वी.पी. से आया है, हम गर्व महसूस करते हैं, देशवासियों को भी कहते हैं, एक बार वहां जाकर देखो। दूर से पत्थर मत फेंको, अन्दर जाओ, फिर आपके भी अन्तःकरण में परिवर्तन आएगा, आपके भी अन्तःकरण में आएगा। परिवार माने एक परिवार नहीं, परिवार माने देश के हित में सोचने वाले, उस परिवार के बारे में सोचना, हमारा विचार है, हमारी विचारधारा है, किसी एक व्यक्ति से जुड़ा हुआ हमारा संगठन नहीं है, बल्कि एक विचारधारा है। Ours is an idea; ours is an ideology. We have a commitment; we have a calibre; we have a capacity; we have a conduct. We have dynamism; we have discipline; we have dedication; we have devotion. You have only commotion to create emotion for your own promotion. This is what you are doing. We are not doing it.

Seventy-six lakh youth have been given skill training in the last one year. Seventy-three stalled highway projects were revived. Why did national highways become notional highways in the last five years? Let everybody understand why the national highway scheme got stuck and who is responsible for that. We got it revived. Over 7,200 kilometres of highways have been built and also my friend who is one of the dynamic Ministers with a vision Shri Nitin Gadkari has awarded 12,900 kilometres in this one year after we came to power. It is not only about the new national highways but even the earlier highways also. It was all the great initiative of our great leader Shri Atal Bihari Vajpayee. पहले 50 सालों में एक वे, नहीं तो नो वे, पांच साल में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने फोर वे, हाईवे निर्माण करके दिखाया, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना बनाई। उस अनुभव से हम अभी भी प्रेरणा ले रहे हैं और बाकी जो अधूरा काम है, वह अधूरा काम पूरा करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री हम सब को पूरा समर्थन कर रहे हैं।

मित्रो, 36,000 kilometres of rural roads have been built in 2014-15, which is 11,000 kilometres more than the previous year and remaining 65,000 plus habitations would be connected by 2019. This is our target. If you had already connected all the roads, there is no need for us to do it. Again because you have not done it, we have taken care of it.

Energy shortage has been reduced from 4 per cent to 2.3 per cent. Installed solar power generation capacity has more than doubled over 5,000 megawatts. आपने, कांग्रेस ने क्या किया, बताओ न कि यह किया है। We are on course to reach a capacity of 175 gigawatts of renewable energy.

The highest ever capital expenditure in Railways has been incurred in 2015. The major ports recorded fastest turnaround time and highest ever quantity of cargo handled. FDI has increased by 39 per cent for the first time in the history of the country because of the initiatives taken by the Prime Minister. Mobile handsets production has doubled. There has been a record in software exports. The overall security situation in the country has improved. Inflation is coming down; fiscal deficit is coming down; the current account deficit has declined. एक बार गम्भीरता से सुनिये, फिस्कल डैफीसिट, रेवेन्यू डैफीसिट, ट्रेड डैफीसिट, करण्ट एकाउण्ट डैफीसिट, एवव ऑल ट्रस्ट डैफीसिट, यह विरासत में हमको मिला है। यह स्थिति थी, जब हम 18 महीने पहले सत्ता में आये, वह स्थिति अभी है नहीं। देश भर में, दुनिया भर में लोग इंडिया में इन्वैस्ट करना चाहते हैं, इंडिया से बात करना चाहते हैं, इंडिया आकर मिलना चाहते हैं।

मैं शहरी विकास मंत्रालय को देखता हूं, Thirty-six countries' Missions have come and met me. They are all showing interest to invest in India particularly in urban infrastructure. That is the change we have brought in. Our country is the fastest growing economy in the world. राष्ट्रपति का अभिभाषण, माने सरकार की दिशा क्या है, सरकार ने अभी तक किया क्या है, सरकार की सोच क्या है, इन विषयों के बारे में देश की जनता को जोइंट सिटिंग के द्वारा अवगत कराना राष्ट्रपति जी के अभिभाषण का मुख्य उद्देश्य है। जो इश्यूज़ हैं, उन इश्यूज़ के बारे में हमने उस अभिभाषण में बताया। 67 कोल ब्लॉक्स के ऑक्शन में तीन लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसे सरकार के खज़ाने में आए। स्पेक्ट्रम ऑक्शन में 1,09,000 करोड़ रुपए आए। क्या यह मामूली विषय है? पहले स्पेक्ट्रम ऑक्शन, कोल ऑक्शन में क्या होता था, यह आपको मालूम है। लोगों ने कुछ नहीं छोड़ा। भूमि को नहीं छोड़ा, भूगर्भ को नहीं छोड़ा, आकाश को नहीं छोड़ा, अंतरिक्ष को नहीं छोड़ा। यह किस ने किया, यह मैं नहीं बता रहा हूं। यह मैं बताना भी नहीं चाहता हूं और अभी आवश्यक भी नहीं है। यह सब किसके ज़माने में हुआ? हमारे ज़माने में we could achieve Rs.3,30,000 crore from the auction of 67 coal blocks and Rs. 1,09,000 crore from spectrum auction. Yes, there are problems. People are saying that there are call drops now. Yes, it is because there were gaps earlier and then the capacity has been increased. Now, we have to meet that challenge. The Prime Minister has taken two meetings on this and the Minister of Telecommunications is also holding discussions to see the demand and supply. You have to pay for the infrastructure. This is what the Government is doing.

'जय जवान, जय किसान' का नारा हमने सुना। One Rank One Pension which is pending for the last 42 years, पहली बार देश के इतिहास में हमारे जवानों के लिए इसी सरकार ने एतिहासिक निर्णय लिया है। इसमें आठ या दस हजार करोड़ रुपए खर्च होने वाले हैं। यह खर्च का विषय है ही नहीं, क्योंकि वे लोग देश के लिए मर रहे हैं। उनके लिए हम लोग कुछ भी करें, वह पर्याप्त नहीं है। मगर, हमारे जो साधन हैं, उनको भी ध्यान में रखकर करना चाहिए। मगर, उन लोगों की मदद करने के लिए भी सरकार ने अपने कदम उठाए। ARPAN, computerisation of proceeds for the Armed Forces recruitment has started.

अभी पर ड्रॉप, पर कॉल को आप मज़ाक बता रहे हैं। इसका उद्देश्य अच्छा है या नहीं, कामकाज अच्छा है या नहीं, इसके बारे में सोचना चाहिए।

साथ ही साथ, स्वॉयल हेल्थ कार्ड भी है। केवल ह्यूमन हेल्थ कार्ड ही नहीं, बल्कि स्वॉयल हेल्थ कार्ड के बारे में भी प्रधान मंत्री जी ने सोचा। 'प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना' के लिए वित्त मंत्री ने पचास हजार करोड़ रुपए की घोषणा कर दी है।

अब नीम-कोटेड यूरिया है। पहले यूरिया के लिए क्यू, यूरिया के लिए वेटिंग लिस्ट, यूरिया के लिए लाठी चार्ज, यूरिया के लिए न्यूज़, यूरिया के लिए राज्यों के मिनिस्टर दिल्ली आते थे। अभी अनंत कुमार जी हमारे मंत्री हैं। वे मुझे बता रहे थे कि कोई मंत्री यूरिया के लिए दिल्ली नहीं आए। यूरिया बाज़ार में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो रही है। इसका कारण यह है कि यह प्रधान मंत्री का आइडिया है। हमने उस आइडिया को इम्प्लीमेंट किया। आइडिया हर एक को होता है। पचास साल पहले किसी ने सोचा होगा कि देश को ऐसा करना है, वैसा करना है, मगर हमने करके दिखाया। हमने करके दिखाया है। India is now growing.

मैं भी गांव का रहने वाला हूं, किसान से जुड़ा हुआ हूं। पहले मैं ग्रामीण विकास मंत्री था। मैं गांवों के बारे में ज्यादा चिंता किया करता था। वह मेरी व्यायस भी थी। बाद में, जैसे गांव वाले गांव को छोड़कर शहर आ रहे हैं, मैं भी वहां से यहां शहरी विकास मंत्री बन गया। मगर, पहले गांवों में जब कोई प्राकृतिक आपदा आती थी, साइक्लोन आता था, फ्लड आता था, ओलावृष्टि होती थी और किसानों की फसल खराब होती थी, तो आप लोग उन्हें क्या कम्पेनसेशन देते थे? इसके बारे में क्यों नहीं सोचा? अगर पूरे गांव के 50औ इलाके में डैमेज होता था, तब ही उस इलाके में कम्पेनसेशन दिया जाता था। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि पहले उसे 33औ करिए। हमने उसे करके दिखाया। पहले अगर दुर्भाग्य से किसी की मृत्यु हो गयी, तो उनके परिवार को 1,20,000 रुपए दिए जाते थे। हमारे प्रधान मंत्री ने इनिशिएटिव लेकर उसे चार लाख रुपए कर दिया। जो व्यक्ति गया, वह वापस नहीं आता है। मगर, कम से कम उसके परिवार के लिए क्या इससे कुछ मदद मिलती है या नहीं? हमने एक लाख बीस हजार रुपए से चार लाख रुपए किया। यह निर्णय भी हमारी सरकार आने के बाद हुआ और सारे राज्य इसे कर रहे हैं। 4066 villages have been electrified in the last 19 months. Electrification of villages is very important. I know the importance of it because बचपन में हम तीन किलो मीटर पैदल चलकर स्कूल पढ़ने जाते थे। जब वापस आता था, तो रात को बिजली नहीं होती थी। हम लालटेन के अन्तर्गत, चिमनी के नीचे बैठकर पढ़ते थे। उस स्थिति में अभी भी देश में कुछ गांव हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आप लोग कह रहे हैं कि आपने सब कर दिया। अगर सब आपने कर दिया, तो हमें क्या करना है? आपने हमारे लिए 99औ छोड़ा है, वह काम हम कर रहे हैं। 4066 villages have been electrified in the last

19 months.

प्रधान मंत्री जी ने कहा कि मैं हर एक दिन मॉनीटर करूंगा, हर एक स्टेट में क्या हो रहा है, इसे मैं मॉनीटर करूंगा। प्रधान मंत्री जी हर एक मंत्री को टारगेट दे रहे हैं। क्या हो रहा है, इस पर वे खुद निगाह रख रहे हैं और आप लोग कह रहे हैं कि पी.एम.ओ. इंटरफेयर कर रहा है, पी.एम. इंटरफेयर कर रहे हैं। जबकि पी.एम. मदद कर रहे हैं। PM is the Head of the institution. Unlike other governments where PM presides and Madam decides, in our Government PM presides and PM decides. We are a team and we decide. PM always advices us, he is the Head of the family. He has every right to advice. He takes advice from us also. We also have a feeling of equal partnership in this Government. We have different Parties but at the same time we share our concerns, share our experience and pool our experiences. There is massive surge in coal production which four times higher than last year. There is 49 per cent reduction in coal imports. पहले इंपोर्ट होता था, अब इंपोर्ट कम हो गया। There was shortage of coal stock in every power generation unit earlier. पहले उसके कारण से बिजली का संकट होता था। चार करोड़ एलईडी लाइट्स, यह छोटा विषय है, four crore LED lights were distributed last year. There is 75 per cent reduction in LED prices including cities. जो बिजली का बिल है, उसमें 40 पर्सेंट डिडक्शन। म्युनिसिपेलिटी ने कुछ पैसा खर्च नहीं किया, स्टेट ने कुछ नहीं खर्च किया। यह पूरा एजेंसी के द्वारा कर रहे हैं। जो रेवेन्यू बचेगा, उससे सात साल में उसको रीपे करेंगे, यह नया आइडिया, यह नई सोच हमारे प्रधानमंत्री की है और हमारे बिजली मंत्री की है। इस कार्यक्रम के लिए पूरे देश में सब लोग, सब एमपीज कह रहे हैं कि हमारे इलाके में एलईडी होनी चाहिए।

अभी हाउसिंग फॉर ऑल के बारे में आप मजाक उड़ा रहे थे। मुझे आश्चर्य हो रहा था। हाउसिंग फॉर ऑल एक महत्वपूर्ण योजना है, जो बहुत जरूरी है। यह योजना इससे पहले भी थी। मुझे याद है, जब वर्ष 1978 में मैं एमएलए था, उस समय मकान के निर्माण के लिए 400 रूपए देते थे। Earlier it was Rs.400, then Rs.1000, then Rs.2000 and then it went up to Rs.10,000. Now our Prime Minister has asked us to have a target of 2022. सबके लिए मकान, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसी व्यक्ति के नाम पर नहीं, किसी परिवार के नाम पर नहीं, नरेन्द्र मोदी जी के नाम पर नहीं, आप डरिए मत, नरेन्द्र मोदी जी के नाम पर नहीं, प्रधानमंत्री जी के नाम पर, प्रधानमंत्री देश का प्रधानमंत्री है, प्रधानमंत्री के नाम पर हमने आवास योजना बनाई। पहली बार रिकार्ड 6 पर्सेंट इंट्रेस्ट सबवेंशन हमारी सरकार इसके द्वारा दे रही है, इसलिए राष्ट्रपति ने भी अपने प्रसंग में इसका अभिनन्दन किया।

Under Swachh Bharat, 4.7 lakh toilets have been built in the first year itself for the girl child across the country. यह रिकार्ड है। यह देश में रिकार्ड है। ...(व्यवधान) यह बार-बार सुनना पड़ेगा। सत्य को बार-बार सुनना पड़ेगा। कितनी बार भी बोलो, सत्य बोलने में कोई आपत्ति नहीं है। ...(व्यवधान) आपके घर में पहले ही पैदा होने के पहले गया, ठीक है, हम लोगों को उतना सौभाग्य नहीं मिला। हमारे यहां बाद में आया। इंद्रधनुष ...(व्यवधान) खड़गे जी, थोड़ा सा धैर्य रखिए। ...(व्यवधान) We have undertaken a massive drive for immunisation and 1.89 crore children and pregnant women immunised.

शिक्षित भारत, न्यू आईआईटीज, न्यू एनआईटीज, न्यू ट्रिपल आईटीज, न्यू आईएसआर, न्यू आईआईएम्स, रिकार्ड संख्या में हमने ...(व्यवधान) आप चिंता क्यों करते हैं, आप मेरे से इतना डिस्टर्ब क्यों होते हैं? मुझे समझ में नहीं आ रहा है। आपकी उम्र कितनी है, मुझे मालूम नहीं है। आपका अनुभव मेरे अनुभव से ज्यादा है। मैं बहुत कुछ सीखना चाहता हूं। आप ऐसी आदत बनायेंगे तो बाकी बच्चे भी सीखेंगे। ऑलरेडी बीमारी इस समय कुछ लोगों को पकड़ गई है। ये बैठकर बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) ये मेरे पीछे बैठे हैं, मैं इनको मना करता हूं। अरे बोलने दीजिए खड़गे जी को, क्या प्राब्लम है, बाद में रिप्लाई होगा। ये बोले कि उन्होंने इतने साल क्या किया, उतने साल क्या किया, ऐसा बोल रहे थे। मैंने उनको समझाया, आप चिंता मत करिए, जवाब देंगे। कल शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया, क्या हुआ, आपने सुना है। इसके बारे में ज्यादा कुछ कहना नहीं है। सुकन्या ...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदया, इन्होंने कम से कम एक घंटे से ऊपर बात की है।...(व्यवधान)

जैसे कि पब्लिक को ऐड्रेस करते हैं, आपकी तरफ एक बार तो देखें।...(व्यवधान) आप इनसे ऐसा बोलिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ये देख रहे हैं। मेरा ध्यान है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : ऐसा कर रहे हैं कि जैसे पब्लिक को भाषण दे रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष : आप टोकते हैं, इसलिए इन्हें देखना पड़ रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप बोलिए, सत्य से बोलिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : महोदया, खड़गे जी सुबह बता रहे थे कि ऐसे-ऐसे दिखाते हैं, मंत्री को बता रहे थे तो ऐसे क्यों दिखाना, मगर आप स्पीकर को ऐसे दिखा रहे थे। हम ऐसा नहीं करते हैं। मैं स्पीकर की ओर आदर से देखता हूँ। एक मातृमूर्ति के ऊपर, एक न्यायाधीश के ऊपर...

माननीय अध्यक्ष : आप लोग टोकते हो तो उनको वहाँ देखना पड़ता है।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : स्पीकर को मैं एक न्यायाधीश के रूप में देखता हूँ। आप चिंता मत कीजिए।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हम आपके साथ हैं।

माननीय अध्यक्ष : ओ.के.।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अगर आपकी तरफ देखकर बोलें तो ठीक है।

माननीय अध्यक्ष : ऐड्रेस टू स्पीकर।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : स्पीकर्स को देखने से थोड़ा मन में और भी प्रसन्नता होती है, मगर उस तरफ देखने से थोड़ा मन में.....(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बोलने में जोश आता है, ऐसा कहना चाहते हैं।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हाँ-हाँ।

माननीय अध्यक्ष : वहाँ देखो तो बोलने में जोश आता है।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हाँ, जोश आता है, रोष आता है, रोज आता है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यही तो द्वेष की भावना है।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : 58 वर्ष हमने जो सहन किया। हमारे मन में द्वेष कहां हैं? हमारे नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं अन्य नेता गांव-गांव, गली-गली, देशभर में दौरा करते-करते, यहां तक पहुंचे गये हैं। हम कोई हेलिकॉप्टर से नहीं आये हैं, कोई डायनस्टी से नहीं आये हैं। ...(व्यवधान) In democracy, dynasty is nasty; it is not tasty to some people. For us, it is character, calibre and capacity, not the dynasty. The hon. Prime Minister rose to this position because of the hard work that he had put in. All of our Members have also put in hard work. इसलिए हमारे मन में कोई ईर्ष्या नहीं है। आपको देख कर ईर्ष्या क्यों करना, खड़गे जी आप अच्छे व्यक्ति हैं, अनुभवी हैं, इस उम्र में भी आप बहुत एक्टिव्ली काम करते हैं। आप सदन में आकर शाम तक बैठते हैं, हम आप से क्यों ईर्ष्या करेंगे? ...(व्यवधान) बहुत नौजवानों से यह अच्छे हैं।...(व्यवधान) जो नौजवान लोग बीच-बीच में सदन छोड़ कर चले जाते हैं, उन्हें इनसे सीखना चाहिए।...(व्यवधान) उन्हें सुबह से शाम तक सदन में बैठना चाहिए। यह अच्छी पद्धति है।...(व्यवधान) जहां अच्छा काम हुआ है, उसकी थोड़ी प्रशंसा करनी चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह सभी लोगों को सीखना चाहिए।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैं थोड़ा लिबर्टी लेकर, as the Minister of Parliamentary Affairs is like a guardian to them, I always advice them. Yesterday also I had seen; my friend Suresh is not here. He made a point speaking on the issue of the university. I immediately stood up in spite of serious differences with him. The other day when N.K.Premachandran was speaking I stood up and appreciated him. One day I appreciate Ram Mohan; the other day I appreciate Kavita ji; some other day I appreciate somebody else. It is because as a Parliamentary Affairs Minister I feel inspired by some of the good speeches and constructive speeches that are made. Yesterday while disagreeing with my friend Rajesh, I complimented him. He is a very sincere worker. He never changes his Party unlike many others who are changing from one party to another frequently. वह भी एक अच्छा लक्षण है। मैडम मेरा यह कहना है कि `Start up India', `Stand up India' `Provident Fund digitalisation', `Inland waterways' आप गडकरी जी के आइडियाज सुनेंगे तो आप प्रभावित होंगे। देशभर में इंलैंड वाटर वेज, जैसे पुराने जमाने में होते थे, आपको मालूम है कि ईस्ट इंडिया कंपनी उस समय इसे बकिंघम कैनाल में चलायी थी, वह नया वाटर वेज लाने वाले हैं। जैसा मैंने शुरू में कहा कि स्टेट्स को ज्यादा पैसा मिला। मोदी जी की पॉपुलरिटी के बारे में कुछ लोगों को अनुमान है तो मैं कुछ आंकड़े दिखाना चाहता हूं। There are 17.3 million followers in social media. It is a record and is the highest number. On Facebook there 31 million `likes' for him. It is not for Shri Narendra Modi, the leader of the BJP but for the Prime Minister of India. We feel proud of him. On every forum, in Instagram his followers crossed one million. Is it an ordinary thing? Do you think the people who are following him are all uninformed people? Are they being misled by our vocabulary or speech? In BRICKS bank, for the first time we have an Indian person as the president. BRICKS bank just has started and the first opportunity for its presidentship has come to India.

We all appreciate the PM's boldness, grit and courage. The way he handled the issue of Pakistan that even on the Pathankot incident, for the first time, the Pakistan Government has agreed. First time they have agreed. That is a positive sign and they should understand and now they must also send positive signals. This government got five fishermen released from Sri Lanka. Tamil fishermen were arrested by the Sri Lankan Army. They were tried and convicted and given death sentence. What did the hon. Prime Minister do? Understanding the sentiments of the Indian people, particularly those of the fishermen, he talked to the Sri Lankan authorities at the first instance and without a case he got all of them released...(*Interruptions*) That is the duty of the hon. Prime Minister. The hon. Prime Minister is doing his duty.

श्री रमेश बिधूड़ी : प्रधानमंत्री जी की सरबजीत की ड्यूटी नहीं थी।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैं वही कह रहा था कि पहले ड्यूटी नहीं करते थे, अभी प्रधानमंत्री जी ड्यूटी कर रहे हैं।...(व्यवधान) यह ड्यूटी है।...(व्यवधान)

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Sir, I appreciate what you are saying. But at the same time I must tell you that the Tamil fishermen are suffering a lot in Sri Lankan prisons and their boats have been seized and have not yet been released by the Sri Lankan Government. Along with releasing the persons, releasing their boats are also equally important. Therefore, I would like to request the hon. Prime Minister to take necessary steps to see that their boats are also released which have been seized by the Sri Lankan Government.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I agree with the hon. Deputy-Speaker. This is an on-going problem. This has not started just now, after Shri Modi has become the Prime Minister. He took initiatives. Sri Lanka is not showing the same spirit as expected. So, we have to prevail upon Sri Lanka, then work out with Sri Lanka and both the countries must come to an agreement to put a permanent end to this issue. Otherwise, it is really agitating the minds of the people. I also hail from that region to some extent. So, I understand the sentiments of the people. â€¦ (*Interruptions*)

DR. M. THAMBIDURAI: Releasing them is the only solution. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: But the Parliament of India has approved it earlier during the earlier regime. I do not want to be political. But that is the fact of the matter also.

Then getting release of Father Alexis Prem Kumar is another point. A Christian Father preacher who had gone to Afghanistan was kidnapped by Taliban. The Prime Minister took personal initiative to get Father Alexis Prem Kumar released without any harm. That is the initiative taken by the Prime Minister. Father Alexis Prem Kumar came back to India, met and thanked the Prime Minister also. Other leaders also came and thanked the Prime Minister. The hon. Prime Minister is taking interest in individual issues also whenever something serious happens.

We have the Minister for External Affairs who is one of the most dignified hard working Ministers with understanding and who is dealing with that portfolio in a good way. Lakhs of people who are stranded in various parts of the world and who have been held hostages in different crises, be it in Iran, Iraq or Afghan or Yemen, have been helped by the Minister. The Minister handled it in an efficient way - because of the good will of the Prime Minister enjoying in those nations - and got all of them safely back to India. It is a record that has been done. And my friend, Shri Adhir Ranjan Choudhury is saying that we are doing our duty. Yes, doing our duty is what is expected. Doing duty is the beauty. ...(*Interruptions*)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): During Tsunami, what happened? ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You should ask him. I wish you should have asked him this. â€¦ (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please do not answer him. Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Am I here to praise the Congress Party? Madam, some people are saying that there is no scope for dissent. I will just read one small line which is really sickening. One great journalist wrote in a great paper as: "Tomorrow, if the Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, dies, so and so can become the next Prime Minister." Till today, he has not expressed regrets but we have not done anything. And we will not do anything also. We will leave it to ण्पे wisdom. Prime Minister is hale and healthy. मैंने पहले कहा कि कोई बीमारी नहीं है। उन्हें इलाज के लिए इधर या बाहर कहीं जाने की जरूरत नहीं है। इसलिए प्रधान मंत्री के बारे में इस देश में लिख सकते हैं। इतनी स्वतंत्रता है, इतनी स्वेच्छा, फ्रीडम है। अगर आज प्रधान मंत्री मर गए तो कल हमारी पार्टी, उन्होंने एक सदस्य का नाम लिया, वे प्रधान मंत्री बनेंगे। ऐसे लिखा है। इस देश में यह फ्रीडम है।

This is the great freedom in this country. Had it been done during earlier regime, what would have happened? You have seen that when people protested, lakhs of people were put behind bars. They were thrown into jail. They were all sent to jail under Maintenance of Internal Security Act including me who was a student then. Shri Jai Prakash Narayan, Shri Chandra Shekhar, Shri Morarji Desai and other leaders were put behind bars for eighteen and a half months for no fault of theirs. And today, you are giving us lessons about dissent that people should have other opinion. I just now read it and my great friend and one of the so-called great intellectuals is not there now. ...(*Interruptions*) हाउस है। मुझे मालूम है कि हाउस में अगर कोई दूसरी ओर देखें तो आपत्ति है। सदन को कभी-कभी देखते रहना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बार-बार ऐसे नहीं करते।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : आप चिन्ता मत कीजिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सब सदस्यों का बोलते समय ऐसे होता है। एक बार हो गया।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : राजेश जी, आप बहुत अनुभवी हैं।...(व्यवधान) सुल्तान अहमद जी, आप अनुभवी हैं। आप मंत्री भी रहे हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing is going on record.

...(*Interruptions*)â€¦*

HON. SPEAKER: Mr. Minister, do not listen to them. I have already told that only what you say will go on record. So, why are you listening to them?

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Thank you, Madam. But I have a weakness for dissent also. I hear the voice of the other side also. Prof. Ashish Nandy wrote an article, after BJP's victory in Gujarat, under the leadership of our hon. leader and the then Chief Minister, Shri Narendra Modi. A very nasty article was written about Gujarat people. Somebody filed a PIL. The Government did not do anything. Then a case was registered. Today, one of the newspapers has reported that Prof. Ashish Nandy wants to apologise unconditionally for the article written in 2008. He told it to the Supreme Court. So, these things are happening. People have got the liberty to write. If they are civilised enough they repent for the mistake they have done and they are trying to rectify it also.

The Afzal Guru episode has stretched across many regimes. It has happened not just during Vajpayee's regime or NDA's regime or Shri Narendra Modi's regime. It has happened during NDA's regime, UPA's regime, left-supported UPA's regime, etc. During these regimes also this Afzal Guru episode went on. I am surprised and shocked at what has happened after three years, after the UPA Government ordered the hanging of Afzal Guru. Yesterday, after the debate I felt happy because Shri Kharge stood up and said, 'We condemn those anti-national slogans. We do not appreciate it at all. We do not associate with that at all'. I went back and told my daughter over the phone that one of my purposes is achieved today because the entire House spoke with one voice condemning the anti-national slogans in the Jawaharlal Nehru University campus by a handful of people, not by all of them. That is my emotional attachment. What can I do? I have a weakness for national unity.

But today the former Home Minister of this country, who held the portfolio of finance, who is also supposed to be one of the great legal luminaries has said – it has appeared in the front page of newspapers -- perhaps not correctly decided. My honest opinion is the Afzal Guru case was perhaps not correctly decided. Grave doubts about the extent of his involvement in 2001 Parliament attack. This is what the former Home Minister said – I do not want to take his name because he is not there in the House. ...(*Interruptions*)

SHRI MOHAMMAD SALIM (RAIGANJ): He was the legal luminary. Does he not have the right to hold his personal opinion or not? ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Nobody, after the highest court of the land has given its verdict, after an exhaustive procedure of giving reasonable time, opportunity and after the highest authority, the President of India has given the final approval, has got the right to express such an opinion to create disaffection in the society. You may think that there is nothing wrong. But I think it is totally wrong. ...(*Interruptions*)

They were your ally also. You were part of it.

मैं राम माधव को इसे कन्वे कर दूंगा कि अफजल गुरू के बारे में सलीम जी बहुत डिस्टर्ब्ड हैं। इसी पीडीपी के साथ कांग्रेस ने समझौता किया और मिलकर सरकार चलाई , हमारे ऊपर उंगली उठाना ठीक नहीं है। एक विशेष परिस्थिति में कश्मीर की इन्टीग्रिटी को ध्यान में रखते हुए वहां देशहित में एक चुनी हुई सरकार होनी चाहिए। मुझे उसे ज्यादा एक्सप्लेन करने की जरूरत नहीं है। सोच-विचार करके हमने इस गठबंधन को बनाया है, हमने कोई गलती नहीं की है और उन्होंने गलती की ऐसा आरोप भी हम नहीं लगा रहे हैं। उस समय उन्होंने गठबंधन किया और इस समय हमने गठबंधन किया है। यह अलग बात है कि कम्युनिस्ट पार्टी ने एक बार कांग्रेस को साथ दिया और फिर अपोज किया, यह सब राजनीति में होता रहता है

There is a small news item in the newspapers. Shri Virat Kohli played wonderfully recently against Australia, I think. One person called Umar Draz, was arrested because he was praising Virat Kohli and hoisted tri colour flag. ...(*Interruptions*) That is what I am saying. Do not encourage pro-Pakistani elements. Otherwise, there is a danger of that thing happening here. Let us not allow the same thing to happen here. That is why we are

all concerned about what has happened there. In the Yakoob Memon's case the Supreme Court held an unprecedented 90-minute hearing in the middle of the night to dispense justice. The Chief Justice of India and other senior brother judges, they woke up early in the morning, gave a patient hearing and after that, they gave the judgement to Yakub Memon. Some people are eulogising Yakub Memon and then you have seen what has happened in the case of Maqbool Bhat. Some people are eulogising Maqbool Bhat also. Then there are some articles.

Madam, I am speaking in Indian Parliament. I would like to tell some of the countries who are giving us lessons also saying that in India dissent is not allowed and all that. I would like to ask them one thing. Madam, I went to United States of America once along with my OSD. My OSD was taken away and kept in quarantine for an hour. Then enquiry was held for an hour. I could not do anything because we were outside the country. At the end of it, what came out was very simple. That boy was having a beard and that was the suspicion. एक घंटे झेलना पड़ा, फिर बाद में उसे वापस भेज दिया। वे अपनी सिक्योरिटी के बारे में इतना सोचते हैं। क्या हमारे देश में कुछ लोगों ने थ्रू पाकिस्तानी नारा दिया, अलगाववादी नारा दिया, तो क्या उसके बारे में एक्शन लेने का अधिकार हमें नहीं है? Can they hold Osama Bin Laden martyrdom anniversary in any university in America? ...(*Interruptions*) गोडसे ने एक अन्पार्डनेबल क्राइम किया है, इसमें कोई दो राय नहीं है। आप उसे क्यों दोहराते रहते हैं? ...(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : उसने हिन्दुस्तान मुर्दाबाद के नारे नहीं लगाये। ...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : यह रिकार्ड पुराना है। ...(व्यवधान) जैसा स्टक ग्रामोफोन रिकार्ड होता है। मैं बचपन से गोडसे के बारे में सुन रहा हूं। ये लोग सुन रहे हैं। हमारी सहानुभूति नहीं है। आपको क्यों हमेशा वह याद आ रहा है, यह हमें समझ में नहीं आ रहा है। ...(व्यवधान) हमारे संगठन ने कुछ नहीं किया। ...(व्यवधान)

श्री रमेश बिधूड़ी : उन्होंने भारत के टुकड़े करने की बात नहीं कही थी। ...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Let America say, 'Osama, we are ashamed for your killers roam free; USA shall be divided into pieces', Allah willing, Insha Allah. If somebody says like that, is America going to tolerate this? I only hope, they may be a great nation with all the resources at their command. But at the same time, we, Indians, also have our self-pride; we are also concerned about the unity, integrity, security and sovereignty of our country. As a Minister, I want to send this message that we cannot tolerate such activities in our universities; we cannot allow our boys to be misled by such fringe elements who are inspired by foreign ideologies, who are inspired by foreign forces.

Madam, I have the paper with me. I would like this also to be shared with other friends in the House also. The Delhi Police Commissioner issued a notification saying, Delhi Police arrested Ashfaq Hussain Lone, a top ranking operator of the banned Hizbul Mujahideen. In Delhi, Shahbuddin Gouri, a JNU student, using the cover of a human rights activist, was acting as a conduit for funds and communication with terrorists in Jammu and Kashmir. Incriminating documents and Rs. 16.2 lakh was recovered from him. At the time of Gouri's arrest, Pakistan currency was also recovered. Both Ashfaq Lone and Shahbuddin Gouri were arrested in crime no. so and so. This is not a notification issued by the Delhi Police Commissioner of today. This was issued by the Delhi Police Commissioner in 1991. वर्ष 1991 से ऐसी कुछ गतिविधियां वहां चल रही थीं। गढ़चिरौली में नक्सल के दहन कांड में कुछ लोग पकड़े गये, उसमें भी एक छात्र यहां से था। महाराष्ट्र के सदस्यों को मालूम होगा। कुछ लोग देशद्रोही कार्यकलापों, राष्ट्रविरोधी कार्यकलापों में भाग ले रहे हैं। आप क्यों उनके बारे में चिंता करते हैं? Why are you disturbed and perturbed? We are not saying anybody of you is anti-national. We are only requesting, please do not sympathise and do not express solidarity with such fissiparous tendencies and divisive forces. That is the only appeal from the Government. Otherwise, nobody is saying the entire university is like this. We never say it. ...(*Interruptions*) It is your misinterpretation, propaganda and disinformation. Disinformation is your information and your information has no confirmation. ...(*Interruptions*)

SHRI VARAPRASAD RAO VELAGAPALLI (TIRUPATI): Madam Speaker, I would like to ask a small clarification from the hon. Minister.

As far as Yakub Memon is concerned, to my knowledge, none of these people, who have been suspended, has supported Yakub Memon. What they said was, because they were all Ambedkarites, since Ambedkar was against the...(*Interruptions*) One second, Sir. I have not completed....(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Mr. Varaprasad Rao, I yielded for you....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now he is answering. आप बैठिए।

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: He belongs to a Party. He has got every right to express his view. I have heard it....(*Interruptions*)

Madam Speaker, these people are not Ambedkarites. They are not Ambedkarites. They have taken only that name. I said yesterday and I am repeating today, Progressive Democratic Students Union (PDSU), Revolutionary Students Union (RSU), they have been banned; so they have changed the *avatar*. In some places, they put the name of DSU, in some places they put the name of ASA. In some places, they put some other name. They try to bring caste or religion into the picture so that they can escape from the main crime that is being accused of anti-national activities. So, you try to understand it....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: आप इतना उत्तेजित क्यों हो रहे हैं अफजल गुरु के नाम पर?

HON. SPEAKER: What is this happening? We have had a detailed discussion on it. If you go on replying like this, then the same thing will happen.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am sorry, Madam....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, this is not the way.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: No student is blamed. You are blaming the students...(*Interruptions*) Do not do it, please....(*Interruptions*) We have seen what you are doing. ...(*Interruptions*) Yesterday also I asked one question. I want to ask another question. हमारी स्ट्रैंथ क्या है, उसी हिसाब से समय का निर्धारण होगा। किसकी स्ट्रैंथ कितनी है, कितना समय बोला, इसे चर्चा का विषय बनाना चाहें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : समय तो मैं देखूंगी, किसने कहा है?

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हमने नहीं कहा है।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: खड़गे जी ने कुछ नहीं बोला है, संकेत दिया है।...(व्यवधान) हमारे बीच में होता रहता है, मैडम आप चिंता मत कीजिए। ...(व्यवधान) 12 स्टुडेंट्स ने आत्महत्या की। एक-दो स्टुडेंट्स ऐसे ही अचानक हैदराबाद में मर गए। कोई नेता उस समय हैदराबाद यूनिवर्सिटी नहीं गया। जो लोग वहां गए, धरना किया, माला पहनी, फोटो अपॉरच्युनिटी दी, बाकी लोग असीम धवन, सेंथिल कुमार वेत्तुरी, केशवाचार्य, बालाराजू, नरेश रेड्डी, पुलेला राजू, सोहन बाबू, मोहनी मिश्रा, मादरी वेंकटेश, मल्लिकार्जुन और अंत में रोहित वेमुला, सबने उस समय आत्महत्या की, तब उस समय में बगल में कांग्रेस के नेता नहीं गए, दिल्ली वाले तो नहीं गए, कारण क्या है कि उनके जमाने में हुआ। कांग्रेस के जमाने में हो गया तो कोई विषय नहीं है, मोदी जी आए तो एक घटना को लेकर देश में ऐसा प्रचार करना.....(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम : थोराट कमेटी इसीलिए बनी थी।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Not on the same subject; we are not discussing it.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It has been replied.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: अगले महीने में चुनाव हो रहे हैं।...(व्यवधान)

"The high who act low are not high, nor the low who act high, low"

"Nalla panpugal illadhavar, uyar padhaviyil irundhalum perumaikuriyavar illai; siriya padhaviyil irundhalum, uyar panpugal udaiyavar perumai kuraindhavar illai" This is another saying from Thirukkural.

I am only saying those who act low are not high. Those who are low but act high, they cannot be low. So, please do not try to demean...(*Interruptions*) My suggestion is that instead of running for the photo opportunities and then wearing garlands even on a condolence occasion, it is always better that the political leadership of India, irrespective of their shades of opinions, should seriously ponder over why such incidents are happening, why Rohith Vemula incident has happened and what the message in his suicide note is....(*Interruptions*) Let us not try to trivialise the issue and convert it to some political thing. Cutting across the political lines, the entire country should think seriously and then try to address this issue because it is not the first case, 10 or 11 cases have happened earlier also....(*Interruptions*) Some people in Delhi have not taken note of it. Some leaders, even in nearby areas have also not bothered to visit there because it has happened during their regime. What I am saying is that the spirit of nationalism instils pride in every citizen about his motherland....(*Interruptions*) It also stirs concerns about certain things that are not going the right way. Efforts are being made to present such a positive spirit in negative light. ...(*Interruptions*) This is very unfortunate and has implications for the country. That is why we are all concerned about it....(*Interruptions*) We are undeterred by any of these attempts. The hon. Prime Minister is very clear that the country has to move forward. He has set the goal – Transformation of the Nation. ...(*Interruptions*) The objective of the Prime Minister is to transform the nation, taking care of the vulnerable sections, Antyodaya etc....(*Interruptions*) The very first day, when he was chosen as Leader in the Central Hall of the Parliament, he said - गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवा ये मेरी प्राथमिकता है। उसी दिन प्रधान मंत्री ने इस देश के सामने कहा था। उस समय उन्होंने प्रधान मंत्री का पद भी नहीं संभाला था। उसी दिशा में राष्ट्रपति अभिभाषण में जो जो विषय,...(व्यवधान) मुझे किसी को खुश करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारी आदत नहीं है। आपका पार्टी का अनुभव अलग है, मेरा अनुभव अलग है।...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : देश के लिए कुछ करिए।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हां, अभी तक देश के बारे में बोल रहे थे। परिवार के बारे में नहीं बोला है। आपके हिसाब से परिवार ही देश है। देश ही परिवार है। ...(व्यवधान) हमारा ऐसा नहीं है। हम तो देश के बारे में बोल रहे थे।...(व्यवधान) Madam, the Prime Minister has given us 3S mantras – skill, scale and speed. That is the mantra....(*Interruptions*) We have development and good governance. This is the way we are moving forward. Let us not divert the attention. ...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, इनका ऐसे बोलना अच्छा नहीं है।...(व्यवधान) आप अपनी बात करिए।...(व्यवधान)

श्री एम.वैंकैय्या नायडू : किसी के लिए अच्छा नहीं है।...(व्यवधान) आप सीनियर होने के नाते थोड़ा पीछे मुड़कर अपने लोगों को क्यों नहीं कुछ कहते?...(व्यवधान) जैसे मैं उनको कह रहा हूं, आप ऐसे उनको कहिए। आप नहीं कह सकते।...(व्यवधान) इसलिए मेरा कहना यह है कि देश आगे बढ़ रहा है। सारी दुनिया आज हमारी तरफ देख रही है। सब देशवासी खुश हैं। हम सबको मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। पार्लियामेंट में अवरोध नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान) देश में जो भी अच्छे काम हो रहे हैं, उन कामों में सबको साथ देना चाहिए। Anybody, who is obstructing the growth; anybody, who is obstructing the Bills; anybody, who is obstructing the Parliament; they are obstructing the growth. They should understand that....(*Interruptions*) They are not obstructing Narendra Modi; they are not failing Narendra Modi; they are trying to fail the country which is not acceptable. That is the spirit of the hon. President's Address....(*Interruptions*) I would like to really congratulate the hon. President for the beautiful Address given to the country which is very inspiring and also all of us should learn from him. चैलेंज करने के लिए भी सही होना चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : इतना भी गले का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI P. NAGARAJAN (COIMBATORE): Hon. Speaker Madam, first of all, I express my indebtedness and sincere thanks to our beloved Leader hon.

Chief Minister of Tamil Nadu, Puratchi Thalaivi Amma for giving me this great opportunity to speak in this august House on the Motion of Thanks on the President's Address. A strong and forward looking India that places within the reach of its people the opportunities and development promised by our Constitution. This development philosophy is captured in Sabka Sath Sabka Vikas.

17.45 hours (Hon. Deputy-Speaker *in the Chair*)

In Tamil Nadu our hon. Chief Minister Amma has adopted the vow *Makkalal Naan, Makkalukkaka Naan,* which means, "I am by the People, I am for the People".

Amma is very keen that the empowering rays of opportunity should reach every person. Poverty eradication, farmers' prosperity and massive employment generation have been given utmost priority.

Tamil Nadu, under the dynamic leadership of Puratchi Thalaivi Amma, has been implementing various schemes for the betterment of the poor and the deprived people. There is a saying in Hindi: 'Roti Kapada Aur Makaan'. 'Food, clothes and house to live" are mandatory for all. One of the first decisions of the hon. Chief Minister, Puratchi Thalaivi Amma, on assumption of Office in May, 2011 was to announce and implement free supply of 20 kg of rice per month through the Public Distribution System to about 1.83 crore families in the State.

In Tamil Nadu, Puratchi Thalaivi Amma has been implementing the provision of 20 Kg free rice and distribution of dhoti-saree for all poor people in Tamil Nadu under Public Distribution System. Amma's "Tamil Nadu Vision 2023" envisages provision of houses for all poor in the State.

I wish that the Union Government could focus and implement these three schemes all over the country. As rightly expressed by the Father of our Nation, Mahatma Gandhi, that "Poverty is the worst form of violence." Therefore, the poorest of the poor are entitled to the first charge on the nation's resources. Poverty alleviation and removal of destitution is the most sacred moral
responsibility of the Government and its constituents. Experts say that financial inclusion and social security are the two wings on which human aspiration takes flight. Food security, 'Housing for All' and subsidies should reach those who need them the most when they need them the most. Our Amma is tirelessly
working on this. Her slogan 'Amaithi, Valam, Valarchi' is truly fetching great results in the socio-economic development of the people of Tamil Nadu.

Tamil Nadu's Universal Public Distribution System commended
both within India and elsewhere is a model food security programme. This vital programme requires constant vigil and monitoring so as to ensure that the benefits continue to reach the deserving persons and to plug leakages. The hon. Chief Minister, Puratchi Thalaivi Amma, has ordered the officials to ensure that the process of collection of bio-metric information through the National Population Register is expedited and the State is in a position to issue smart cards to all families in the State at the earliest.

The Amma Canteen scheme, a brain child of the hon. Chief Minister of Tamil Nadu, Puratchi Thalaivi Amma, which is now renowned across the world and studied by Governments and experts from different parts of India and the world, has also had a salutary impact on keeping a check on food prices in Tamil Nadu. In Amma Canteens, *idlis* with *sambar* are supplied at Rs.1, curd rice at Rs.3 and *sambar* rice at Rs.5. The availability of food at such lowest prices really penetrated deep into the hearts of the poor, deprived and under-privileged people of Tamil Nadu. This model scheme, which provides food for all poor at the bare minimum price, needs to be implemented throughout the country.

There are a number of other commodities which are also supplied at reasonable prices in Tamil Nadu. I would specifically like to highlight the Amma Mineral Water, Amma Salt, and Amma Cement programmes which ensure availability at reasonable prices of commodities prone to price increase due to cartelization and other factors. These interventions have had a salutary effect on market prices of such commodities. VAT on domestic LPG has also been completely exempted to ensure that price of domestic LPG is kept reasonable in spite of deregulation of LPG prices.

There is no doubt that the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana is the
world's most successful financial inclusion programme. The programme has gone beyond mere opening of bank accounts to becoming a platform for poverty eradication by offering basic financial services and security to the poor. But I would like to mention here that this is only a tool in the hands of administrators and it will bear any fruit if and when this tool is used in an appropriate time to serve the poor and deprived people. I would like to record in this august House that in Tamil Nadu aftermath of the heavy floods, more than 34 lakh people affected in the floods were provided Rs. 5,000 each; and the cash transfer has been effected directly into their bank accounts. This is a massive work done under record quick time, and the poor affected people are benefited without any trouble and hindrance. This is the perfect example of a true federal system where a State Government works in perfect cohesion with the Centre.

Sir, the Union Government should give full credit to our hon. Chief Minister of Tamil Nadu, Puratchi Thalaivi Amma for having proved the effectiveness of this scheme to reach the needy in record quick time.

The three new insurance and pension schemes launched by the Union Government, namely, the Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana, the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana and the Atal Pension Yojana, afford insurance cover to hitherto uncovered sections of society to universalize social security, will be a boon for all sections of poor people.

Sir, I am glad to know that the Government is committed to provide housing for all by 2022. The Pradhan Mantri Awas Yojana launched on June 25, 2015, envisages construction of about two crore houses to benefit primarily the slum dwellers, urban poor and people from Economically Weaker Sections and Lower Income Groups of Society. This Mission too needs a perfect federal system where the State Governments are responsible for the proper implementation of the scheme. Here too, Tamil Nadu leads from the front in providing housing for all. I would like to request the Union Government to allocate Tamil Nadu State the requested amount for the construction of houses for the people who lost their houses during the massive floods recently.

It is heartening to see the subsidy benefits reach the deserving under the Direct Benefit Transfer under 42 schemes funded by the Government. The Give It Up campaign in tandem with the Give Back Programme has released subsidized fresh connections to 50 lakh BPL families. More than 62 lakh

LPG consumers have voluntarily surrendered their LPG subsidy under the campaign. The highest number of new cooking gas connections to the rural poor were distributed in 2015.

Sir, the words of Dr. Ambedkar "Political Democracy cannot last unless there lies at the base of it a social democracy", social justice with inclusion is the first promise of our Constitution and the poor and backward are the focus of any Government. Education empowers people; and the Government has allocated more than 50 per cent of the Ministry of Minority Affairs Budget to scholarship funds. Two new schemes – Nai Manzil and USTAAD aimed to empower the minorities, have been launched. Currently, about 20,000 madarasa children are undergoing skill training under the Nai Manzil Scheme. The Government has the fundamental obligation to various State Governments to implement such an important scheme, which I am sure, will promote peace and communal harmony in the country.

I wish to record here that Tamil Nadu under the dynamic leadership of Puratchi Thalaivi Amma has been implementing significantly important schemes for the benefit of minority people and make them an integral part of the peaceful and cohesive society.

Sir, the rural economy contributes around 50 per cent of the Indian Gross Domestic Product and it is already showing signs of strain as the Government cuts the once-generous subsidies that shielded the farmers and villagers. Agriculturists income dropped nearly 50 per cent due to drought. They borrowed loan from banks for seeds and fertilizer, but now they do not know how to repay the loan. The well-being of farmers is vital to the nation's prosperity. The Government has recently launched the farmer-friendly *Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana* with the biggest ever Government's contribution to crop insurance and with the lowest ever premium rates for farmers. It has many firsts to its credit like national coverage of post-harvest losses due to inundation and unseasonal rains, no capping on Government subsidy and use of technology for early and accurate settlement of claims. Assistance to farmers afflicted by natural calamity has been increased by 50 per cent and eligibility norms have been relaxed.

While welcoming this great initiative of the Union Government, I would like to request the Union Government to allocate funds for Tamil Nadu as requested by our hon. Chief Minister Puratchi Thalaivi Amma immediately for providing financial support to lakhs of farmers in Tamil Nadu affected due to damages and devastations caused by floods. It is really good to know that soil health cards would be distributed to all the 14 crore farm holdings by March, 2017, which will result in judicious application of fertilizers, lowering input costs and better soil health. I am glad to mention that in Tamil Nadu, Soil Testing Labs are in use for a long time. There is an urgent need to promote organic farming, production and distribution of natural healthy seeds and saplings to all farmers in the country. Otherwise, the fury of dangerous chemicals in fertilizers and pesticides will devastate the entire farming community in the country and the percolation of genetically modified crops and hybrid seeds will certainly destroy the potential of Indian farming communities and would be an easy prey for the multinational and anti-national companies.

The Government has big promises to provide assured irrigation, expanding cultivated areas by improving water use efficiency and enabling drought proofing. The Government is committed to the philosophy of "Per Drop More Crop".

Sir, I wish to record emphatically that in Tamil Nadu, our hon. Chief Minister Puratchi Thalaivi Amma has been implementing hundred per cent subsidy scheme to promote the drip irrigation system. With the non-availability of water, irrigation has become a major problem, especially during monsoon failures. Farmers are encouraged to switch over to the latest irrigation techniques with attractive subsidies while saving huge quantity of water. The Government of Tamil Nadu granted rupees 1.85 lakh for cultivating vegetables on two hectares. While small and marginal farmers can get hundred per cent subsidy with micro irrigation systems, big farmers will get 75 per cent grant for their farming operations. This unique support rendered by our Amma Government has produced wonderful results in farming and horticulture sector. As per the announcement of the hon. Chief Minister Puratchi Thalaivi Amma in the Assembly on 10th September, 2011, the "Chief Minister's Uzhavar Pathukappu Thittam 2011" is being implemented in the State of Tamil Nadu vide G.O. No. 265 Revenue Department dated 10.09.2011.

The Government has to provide and ensure the best market price to farmers and I am sure the unified National Agriculture Market is working towards setting up a common e-market platform to connect 585 regulated wholesale markets, thereby making India *One food zone, One country, One Market*. This will immensely benefit our farmers in getting fair and remunerative prices. The Government of Tamil Nadu under the leadership of hon. Chief Minister Puratchi Thalaivi Amma has also launched several initiatives to make available fresh vegetables to consumers in urban areas, while at the same time ensuring that vegetable farmers get remunerative prices. This scheme which was devised by Amma, can be implemented all over the country.

The New Urea Policy-2015 was launched with the objective of maximising indigenous production and improving energy efficiency. Providing of hundred per cent neem-coated urea has not only improved efficiency but has also helped in plugging subsidy leakages by preventing illegal diversion of subsidized urea to non-agricultural use.

18.00 hours

The highest ever urea fertilizer production was achieved in 2015.

HON. DEPUTY SPEAKER: Mr. Nagarajan, please wait a minute.

Hon. Members, now it is six o' clock. If the House feels, we can extend the time by another two hours.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अब ज़ीरो ऑवर लिया जाए।

SHRI A.P. JITHENDER REDDY (MAHABUBNAGAR): Please take 'Zero Hour'. We can continue this discussion tomorrow.

HON. DEPUTY SPEAKER: No, after this, we will take up 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Sir, tomorrow after lunch we hardly have another two hours because at 3.30 p.m. the Private Members

Business will start.

HON. DEPUTY SPEAKER: Yes, that is there.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : Then, on Monday there is General Budget. Then, ultimately, it will be extended up to 1 st of March and practically, it seems, we will be discussing the 'Motion of Thanks on the President's Address' after the General Budget.

SHRI A.P. JITHENDER REDDY: There is lot of time. We have got Monday, and Tuesday afternoon is also there.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB: There is not much time.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Deputy Speaker, Sir, we have no problem either way. If the House wants to sit for extra time, we have no problem from the Government side because there is a point in what Mr. Bhartruhari Mahtab has said. But some Members are saying that they are tired and you allow 'Zero Hour' and then have it on tomorrow and then on Monday. But as a *via media*, you can extend it by an hour and then afterwards we can decide.

HON. DEPUTY SPEAKER: So, we can extend the time by one hour. Let some Me mbers, who are interested, participate. Then, afterwards, we will take up 'Zero Hour'.

So, up to seven o' clock, we will go with the discussion on 'Motion of Thanks on the President's Address'.

SHRI P. NAGARAJAN (COIMBATORE): I would like the Union Government to allocate and ensure the supply of urea fertilizer and other agro products at subsidized price to Tamil Nadu and other productive States, proportionate to the yield and production. In this regard, Tamil Nadu entitles more supply of subsidized urea and other fertilizers.

Animal husbandry, dairy and fisheries sector plays a very important role in the socio-economic development of the country. India continues to be the biggest milk producing country with an impressive growth rate of 6.3 per cent. Cattle rearing needs Government patronage and as rightly implemented by our hon. Chief Minister, Puratchi Thalaivi Amma, the distribution of priceless cows, goats and sheep to poor cattle rearers in Tamil Nadu has indeed produced remarkable success in the socio-economic development of the poor and the deprived people, particularly in the villages and remote areas.

Implementation of Poultry Venture Capital Fund and Rural Backyard Poultry Development has led to the highest ever egg production. In poultry farming too, Tamil Nadu stands tall and is the second largest producer and exporter of eggs in the country. More than 90 per cent of poultry or poultry products exported from India originates from Tamil Nadu. At present, poultry concentration is in the poultry belts such as Namakkal, Erode and Coimbatore. Poultry keeping has evinced great interest among poultry farmers. There is a good potential for export of eggs, egg products and frozen chicken meat from our State to Gulf countries, Russia, etc. Further, due to changes in consumption behaviour of the people in the State towards *desi* chicken and *desi* eggs, there is a great scope for the development of backyard poultry.

A Blue Revolution is underway to ensure the integrated development and management of fisheries with a Central outlay of Rs.3,000 crore. Tamil Nadu is one among the leading States in India in fisheries development having a coastal length of 1076 kilometres. The different types of aquatic resources in Tamil Nadu like marine, freshwater, brackish water, riverine stretches, cold water streams in upland area are bestowed with rich biodiversity of aquatic fauna and flora. There are 2,500 species of fishes found in different aquatic environment. Fishery in the State is one of the vital sources of food security.

The Department of Fisheries in Tamil Nadu has pioneered many fishery development activities in India. The Union Government has promised to form a separate Ministry to develop and conserve the fishery resources and to ameliorate the socio-economic status of the fishermen community and to provide protection, ensure safety and security of the fishermen who toil hard and brave both sea and deploring militant activities of neighbouring countries, Sri Lanka and Pakistan.

I would like the Government of the day to create a separate Ministry for fisheries and development of fishermen community in the country and focus exclusively on the subject to provide a permanent and everlasting solution for the serious life challenging problems faced by the Indian fishermen community. I once again wish to convey my proud gratitude to my beloved *Puratchi Thalaivi Amma* for having given me this opportunity to speak in this august House.

Thank you, Sir.

HON. DEPUTY SPEAKER: I have a list of there Members who want to speak on the President's Address – Shri Sultan Ahmed, Shri Bhartruhari Mahtab and Shrimati Supriya Sule. If you people want to speak, I have no objection. That is all left to you.

SHRI SULTAN AHMED (ULUBERIA): The sense of the House is that you should take up 'Zero Hour'. We will speak tomorrow after 12:00 noon.

HON. DEPUTY SPEAKER: Then, tomorrow we have to skip lunch. Tomorrow is Friday. If lunch is skipped, nobody must object to that.

SHRIMATI SUPRIYA SULE (BARAMATI): But, tomorrow first chance to speak should be given to us. ...(*Interruptions*)

SHRI SULTAN AHMED : You should give us first chance to speak. ...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY SPEAKER: The number of speakers will begin party-wise. We will call the Members party-wise. If you all accept it, we will convey it to the hon. Speaker to skip the lunch tomorrow.

Supriya ji, if you want, I can allow you to speak today. We will take up zero hour after you finish your speech.

...(*Interruptions*)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : Sir, you take the decision. Already 12 hours have been allocated to his subject. Accordingly, the party position is very clear. Today, of course, we could have extended it. But the sense of the House is not in favour of it. Everybody is in favour of 'Zero Hour'. Let us conclude it today. For tomorrow, we leave it to the discretion of the Chair to take a decision.

HON. DEPUTY SPEAKER: I can understand what you are saying. I just want to ask Ms. Sule, if it is not convenient for her to speak tomorrow and she wants to speak today, she can. Otherwise, as per party position you will get a chance tomorrow and you can speak at that time.

SHRIMATI SUPRIYA SULE: No, Sir, I do not mind waiting for tomorrow. I will do it tomorrow. I will go with the sense of the House.

HON. DEPUTY SPEAKER: Ok, we are taking up 'Zero Hour' now.

Shri Rahul Shewale – Not present.

Shrimati Jayshreeben Patel.